डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित. हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,गुरूवार.17 नवंबर,2022 वर्ष–07 / अंक–187 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

जी–20 में गूंजा पीएम मोदी का संदेश, मसौदे में कहा गया– युद्ध का नहीं होना चाहिए आज का युग

जी–20 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने यूक्रेन संघर्ष को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया है। इसमें कहा गया कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। जी–20 का ये संदेश सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिए संदेश को दर्शाता है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के अंत में एक विज्ञप्ति जारी की गई जिसमें यूक्रेन पर रूसी आक्रमण और दुनिया के लिए इसके प्रभावों पर व्यापक रूप से विचार–विमर्श हुआ। जी–20 ने कहा कि समूह के सदस्यों ने शांति, शत्रुता को खत्म करने और यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति का आह्वान किया है और कहा कि ऐसी स्थिति के जारी रहने से खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

मसौदे पर आम सहमति बनाने में भारत की अहम भूमिका रही

इस मामले के जानकार लोगों ने कहा कि भारत ने मसौदे पर सभी देशों के बीच आम सहमति बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने अंतिम बयान की प्रस्तावना का मसौदा तैयार करने के लिए सभी विकासशील देशों और उभरते बाजारों के साथ साझेदारी में काम किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सकारात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से एक नेता, समाधान प्रदाता और आम सहमति निर्माता के रूप में उभरा है। जी–20 विज्ञप्ति में कहा गया है, शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाले अंतरराष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय प्रणाली को बनाए रखना आवश्यक है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों का बचाव करना और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना शामिल है।

परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी अस्वीकार्य

इसने कहा कि परमाणु हथियारों का उपयोग या इसके उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है। मॉस्को ने साफ संकेत दिया था कि वह परमाणु विकल्प का उपयोग कर सकता है। सम्मेलन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आयोजित किया गया, क्योंकि यूक्रेन में युद्ध जारी है और इसके प्रभाव यूरोप से परे के देशों द्वारा महसूस किए जा रहे हैं। सदस्यों ने मानवीय संकट, युद्ध के आर्थिक और वित्तीय प्रभावों के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया। कई सदस्य देशों ने युद्ध को अकारण और अनुचित और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया।

यूक्रेन सहित कुछ हिस्सों में संघर्षों से गंभीर रूप से चिंतित

इसमें कहा गया है, कुछ सदस्यों ने राय रखी कि जी–20 को अपने खुद के जनादेश के प्रति वफादार होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चर्चा आर्थिक प्रभावों पर केंद्रित हो और एक व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाया जाए। कुछ सदस्यों ने प्रतिबंधों के आर्थिक परिणामों के बारे में चिंता व्यक्त की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नेता यूक्रेन सहित दुनिया के कई हिस्सों में बढ़ते और चल रहे संघर्षों से गंभीर रूप से चिंतित हैं। सदस्यों ने शांति के लिए शत्रुता और युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया है। हम इस बात को रेखांकित करते हैं कि ऐसी स्थिति के जारी रहने से खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण में गिरावट के साथ–साथ टिकाऊ विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 40वें स्थान पर भारत, बेंगलुरु टेक समिट में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बेंगलुरु टेक समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में इस साल भारत 40 वें स्थान पर पहुंच गया है। 2015 में यह 81 वें स्थान पर था। यह कामयाबी भारतीय प्रतिभा के दम पर मिली है। पीएम मोदी ने अपने पूर्व रेकॉर्डेड भाषण में कहा कि बेंगलुरु भारत के इनोवेशन इंडेक्स में नंबर 1 है। बेंगलुरु प्रौद्योगिकी का घर है। यह एक समावेशी और नवोन्मेषी शहर है। पीएम ने कहा कि देश में यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स की संख्या दोगुनी हो गई है। अब हम दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। यह भारतीय प्रतिभा के दम पर संभव हो सका है। पीएम मोदी ने टेलीकान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बेंगलुरु टेक समिट (बीटीएस–22) के रजत जयंती संस्करण का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट है। कर्नाटक के आईटी मंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने कहा, बेंगलुरु पैलेस ग्राउंड में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में नौ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और 20 से अधिक उत्पादों को लॉन्च किया जाएगा। टेकफॉरनेक्सजेन थीम के साथ आयोजित किया जा रहा इवेंट टेक इवेंट का 25वां संस्करण टेकफॉरनेक्सजेन थीम के साथ आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर, बेंगलुरु के बारह से अधिक स्टार्ट–अप्स जो पिछले वर्ष यूनिकॉर्न के रूप में उभरे हैं, उन्हें श्बेंगलुरु इम्पैक्टश अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। वहीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी 550 से अधिक प्रदर्शकों के साथ इस आयोजन का मेगा आकर्षण है। एक्सपो में करीब 50,000 दर्शकों के आने की उम्मीद है। आईटीई और बायोटेक की प्रमुख कंपनियां होंगी शामिल प्रदर्शनी में आईटीई और बायोटेक की प्रमुख कंपनियां जैसे रॉबर्ट बॉश, किंड्रिल, शेल, बिल्डर एआई, पेटीएम, जोहो, माइक्रोन, एसीटी, कैश फ्री, रेजरपे, बायोकॉन, एक्सेंचर, ऑरिजीन, इंटेल और फिनिसिया आदि शामिल हैं। स्टार्ट–अप पवेलियन में अलग–अलग क्षेत्रों के 330 प्रदर्शक होंगे। आयोजकों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय पवेलियन में कनाडा, नीदरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूके, दक्षिण कोरिया और डेनमार्क शामिल हैं।

संक्षिप्त सार

शाह ने कांग्रेस पर साधा निशाना कहा- अब गुजरात के युवाओं को पता भी नहीं कर्फ्यू होता क्या है

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को विरोधी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा ने गुजरात में तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, 27 साल में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में कानून का शासन स्थापित किया है। दरअसल, शाह अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट से भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को लेकर भारतीय जनता पार्टी का मजाक उड़ाती थी।

भाजपा ने प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी की, देखें किसे कहां से मिला टिकट

भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। इसमें तीन प्रत्याशियों के नाम हैं। खेरालु विधानसभा सीट से सरदार सिंह चौधरी, मानसा से जयंतीभाई पटेल और गरबाड़ा से महेंद्रभाई भाभोर को उम्मीदवार बनाया गया है। आप उम्मीदवार ने नामांकन वापस लियाआम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कंचन जरीवाला ने सूरत पूर्व से अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसके पहले आप नेता मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर कंचन को किडनैप करने का आरोप लगाया था। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप उम्मीदवार ने भाजपा के दबाव में आकर ये कदम उठाया है। भूपेंद्र पटेल ने नामांकन दाखिल कियागुजरात के मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके साथ गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इसके पहले दोनों ने क्षेत्र में रोड शो किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। आम आदमी पार्टी का बड़ा आरोपआम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने उनके सूरत ईस्ट से प्रत्याशी कंचन जारीवाला को किडनैप कर लिया है। कंचन की आखिरी लोकेशन आरओ ऑफिस में कल मिली थी। सिसोदिया का आरोप है कि भाजपा कंचन के नामांकन को रद्द करवाना चाहती है। इसके लिए लगातार उनपर दबाव बनाया जा रहा था। इस मुद्दे को चुनाव आयोग के सामने भी रखने की बात कही। अहमदाबाद में गृहमंत्री शाह का रोड शो शुरूअहमदाबाद के घाटलोडिया निर्वाचन क्षेत्र में गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का रोड शो शुरू हो गया है। रोड शो के बाद भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया से अपना नामांकन दाखिल करेंगे।भूपेंद्र पटेल दाखिल करेंगे नामांकनआज गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन करेंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेता उनके साथ होंगे। भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया निर्वाचन क्षेत्र से नमांकन करेंगे। अभी वह वहीं से विधायक हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में कहा था कि अगर बीजेपी अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करती है तो भूपेंद्र पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। नामांकन से पहले शाह और भूपेंद्र पटेल रोड शो भी करेंगे। आप ने प्रत्याशियों की 17वीं सूची जारी कीआम आदमी पार्टी ने मंगलवार को 17वीं सूची जारी कर दी है। इसमें चार उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। दिनेश ठाकोर, जयंतीलाल पटेल, भास्कर पटेल और संदीप सिंह राज को पार्टी ने टिकट दिया है। इससे पहले पार्टी 160 से ज्यादा उम्मीदवार घोषित कर चुकी थी। दिनेश ठाकोर को आप ने खेरालू से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जयंतीलाल पटेल को विसनगर से टिकट दिया गया है। भास्कर पटेल को मनसा से उम्मीदवार बनाया गया है और संदीप सिंह राज पाद्रा से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी की, देखें किसे कहां से मिला टिकट?कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में राहुल गांधी भीभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मंगलवार को गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है। पार्टी की तरफ से विधानसभा चुनाव में यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी प्रचार करेंगे। बता दें कि राहुल गांधी अभी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त हैं।

शामिल हैं। दिनेश ठाकोर, जयंतीलाल पटेल, भास्कर पटेल और संदीप सिंह राज को पार्टी ने टिकट दिया है। इससे पहले पार्टी 160 से ज्यादा उम्मीदवार घोषित कर चुकी थी। दिनेश ठाकोर को आप ने खेरालू से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जयंतीलाल पटेल को विसनगर से टिकट दिया गया है। भास्कर पटेल को मनसा से उम्मीदवार बनाया गया है और संदीप सिंह राज पाद्रा से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी की, देखें किसे कहां से मिला टिकट?कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में राहुल गांधी भीभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मंगलवार को गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है। पार्टी की तरफ से विधानसभा चुनाव में यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी प्रचार करेंगे। बता दें कि राहुल गांधी अभी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त हैं। बताया जाता है कि इस यात्रा से समय निकालकर वह गुजरात में चुनाव प्रचार भी करेंगे।भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की पांचवीं सूची जारी कर दी है। इसमें तीन प्रत्याशियों के नाम हैं। खेरालु विधानसभा सीट से सरदार सिंह चौधरी, मानसा से जयंतीभाई पटेल और गरबाड़ा से महेंद्रभाई भाभोर को उम्मीदवार बनाया गया है। आप उम्मीदवार ने नामांकन वापस लियाआम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कंचन जरीवाला ने सूरत पूर्व से अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसके पहले आप नेता मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर कंचन को किडनैप करने का आरोप लगाया था। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप उम्मीदवार ने भाजपा के दबाव में आकर ये कदम उठाया है। भूपेंद्र पटेल ने नामांकन दाखिल कियागुजरात के मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके साथ गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इसके पहले दोनों ने क्षेत्र में रोड शो किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। आम आदमी पार्टी का बड़ा आरोपआम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने उनके सूरत ईस्ट से प्रत्याशी कंचन जारीवाला को किडनैप कर लिया है। कंचन की आखिरी लोकेशन आरओ ऑफिस में कल मिली थी। सिसोदिया का आरोप है कि भाजपा कंचन के नामांकन को रद्द करवाना चाहती है। इसके लिए लगातार उनपर दबाव बनाया जा रहा था। इस मुद्दे को चुनाव आयोग के सामने भी रखने की बात कही। अहमदाबाद में गृहमंत्री शाह का रोड शो शुरूअहमदाबाद के घाटलोडिया निर्वाचन क्षेत्र में गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का रोड शो शुरू हो गया है। रोड शो के बाद भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया से अपना नामांकन दाखिल करेंगे।भूपेंद्र पटेल दाखिल करेंगे नामांकनआज गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन करेंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेता उनके साथ होंगे। भूपेंद्र पटेल घाटलोडिया निर्वाचन क्षेत्र से नमांकन करेंगे। अभी वह वहीं से विधायक हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में कहा था कि अगर बीजेपी अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करती है तो भूपेंद्र पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। नामांकन से पहले शाह और भूपेंद्र पटेल रोड शो भी करेंगे। आप ने प्रत्याशियों की 17वीं सूची जारी कीआम आदमी पार्टी ने मंगलवार को 17वीं सूची जारी कर दी है। इसमें चार उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। दिनेश ठाकोर, जयंतीलाल पटेल, भास्कर पटेल और संदीप सिंह राज को पार्टी ने टिकट दिया है। इससे पहले पार्टी 160 से ज्यादा उम्मीदवार घोषित कर चुकी थी। दिनेश ठाकोर को आप ने खेरालू से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, जयंतीलाल पटेल को विसनगर से टिकट दिया गया है। भास्कर पटेल को मनसा से उम्मीदवार बनाया गया है और संदीप सिंह राज पाद्रा से चुनाव लड़ रहे हैं।

बड़ी बेटी ने लिखा– जिंदगी मेरे लिए क्रूर मत हो क्योंकि मैं बहुत मजबूत नहीं हूं.

जिंदगी से लड़ना चाहती हूं, लेकिन जो समस्याएं हैं उनकी कतार बहुत लंबी है। जिंदगी मेरे लिए क्रूर मत हो, क्योंकि मैं बहुत मजबूत नहीं हूं। जिंदगी बहुत क्रूर है, जो हमें बहुत परेशानियां देती हैं, लेकिन, हमें अपने आप को इतना मजबूत करना है कि जिससे हम सभी चुनौतियों से लड़ सके। कैंसर पीड़ित मां की मौत के बाद बड़ी बेटी मानवी (16) अपनी भावनाओं को प्राय डायरी में दर्ज करती थी। घटना स्थल से पुलिस को यह डायरी हाथ लगी है। इस डायरी में उसने इन भावनाओं का जिक्र किया है। मानवी अपनी मां की मौत से बहुत आहत थी। डायरी के कई पन्नों पर उसने जिंदगी को बहुत क्रूर बताया है। पिता के अकेलेपन की बात बताई है। साथ ही आर्थिक परेशानियों का भी हवाला देते हुए जिंदगी को उलाहना दी है। उसने आगे लिखा है कि मेरे माता और मेरे पिता को जिंदगी ने काफी गम दिए। इसके बाद भी वह उनसे लड़ते रहे। जिंदगी की इस लड़ाई में मां को खो दी। पिता अकेले हो गए, उनका अकेलापन देखा नहीं जाता। मानवी इस दर्द को रोज अपनी डायरी में शब्दों के जरिये सहेजने में जुटी थी, लेकिन लिखते–लिखते उसके कलम भी मानों सूख गए थे। यही वजह है कि उसने इतने बड़े कदम अपने पिता और छोटी बहन मान्या के साथ उठा लिए। अवसाद में वह इस तरह घिर गई थी कि इसके लिए खुद को दुर्भाग्यशाली मानती थी। इस बात का भी जिक्र उसने अपनी डायरी में किया है।

मोहल्ले की महिला से रात में लिए थे पांच हजार रुपये

जीतेंद्र के भाई नितेश ने बताया कि सोमवार रात घर में खाना खाने के बाद पिता ओम प्रकाश शहर में गार्ड की नौकरी करने चले गए थे। बताया कि भाभी सिम्मी समूह वालों से रुपये लेती थी। भाभी की मौत के बाद जो भी बकाया रकम था वह बीमा के कारण माफ हो गया था। क्योंकि, समूह वाले महिलाओं को रुपये देते समय उनका बीमा करते हैं। बीमा के दौरान नामिनी के रूप में जीतेंद्र को भी कुछ रुपये मिलने वाले थे। बताया कि जीतेंद्र सोमवार को मोहल्ले की एक महिला से पांच हजार रुपये का कर्ज लिए थे। इसकी जानकारी महिला ने सुबह दी है। बताया कि मां की मौत भी इसी साल 16 जुलाई को हुई है। जीतेंद्र के नाम पर पात्र गृहस्थी सफेद कार्ड बना है। संयुक्त रूप से सभी का नाम दर्ज है। राशन का उठान हर माह जीतेंद्र करते थे।

पैब्लो और लीली को आजाद कर देना

जीतेंद्र की दोनों बेटियों ने घर में चार साल पहले दो तोते पाले थे। उनका नाम पैब्लो और लीली रखा था। पुलिस जब पहुंची तो तोता का पिंजरा कपड़े से ढका था। मान्या और मानवी के विस्तर पर पर्ची मिली थी, जिस पर लिखा था पैब्लो और लीली को आजाद कर देना। पोतियों की इच्छा को देखते हुए ओम प्रकाश ने तोतों को आजाद कर दिया। बताया जाता है कि तोते दोनों बेटियों के कहने पर डैडी–डैडी चिल्लाते थे।

आपको बता दें कि कई माह से आर्थिक तंगी झेल रहे गोरखपुर के घोसीपुरवा निवासी जीतेंद्र श्रीवास्तव ने सोमवार रात अपनी दो बेटियों मानवी और मान्या के साथ खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह तीनों के शव दो अलग–अलग कमरों में पंखे से लटकते मिले। जीतेंद्र पांच माह से बेटियों की स्कूल की फीस 37120 रुपये नहीं जमा कर पाए थे। वह घर पर ही सिलाई का काम करते थे। कैंसर पीड़ित पत्नी की दो साल पहले मौत हो चुकी है।

रेलवे के मैन्यू में शामिल होंगे स्थानीय व्यंजन

गोरखपुर रेलवे के खानपान मेन्यू में अब स्थानीय व्यंजन, मौसमी व्यंजन, त्योहारों के दौरान आवश्यक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दी जाएगी। बाजार आधारित स्थानीय उत्पाद और स्वास्थ्य वर्धक व्यंजन भी शामिल होंगे। रेल मंत्रालय ने खानपान सेवा को बेहतर बनाने के लिए यात्रियों की मांग के आधार पर सूची तैयार कराने का निर्णय लिया है। खानपान की सूची तैयार करने के लिए रेलवे बोर्ड ने आईआरसीटीसी को निर्देशित कर दिया है।

सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह के अनुसार मधुमेह रोगियों के लिए नाश्ता और भोजन, शिशुओं के भी खाने का इंतजाम किया जाएगा। खानपान सूची को दर के अनुरूप रखा जाएगा। सूची लागू करने के पूर्व यात्रियों की जानकारी के लिए नोटिफाई की जाएगी।

प्रीपेड यानी जिन ट्रेनों में खानपान शुल्क यात्री किराए में शामिल है, उनमें आईआरसीटीसी पहले से अधिसूचित दर के भीतर सूची तय करेगा। इसके अतिरिक्त इन ट्रेनों में सूची के आधार पर मिलने वाले खानपान एवं अधिकतम एमआरपी पर ब्रांडेड खाद्य पदार्थों के बिक्री की भी अनुमति होगी। दर आईआरसीटीसी ही तय करेगा।

अन्य मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए स्टैंडर्ड खानपान जैसे बजट सेगमेंट का मेन्यू में बदलाव पहले से अधिसूचित निर्धारित दर के भीतर तय किया जाएगा। जनता भोजन की सूची और दर अपरिवर्तित रहेगा। मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में अधिकतम खुदरा मूल्य पर सूची के आधार पर मिलने वाले भोजन एवं ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की बिक्री की अनुमति होगी।

खानपान सूची तय करते समय आईआरसीटीसी भोजन एवं सेवा की गुणवत्ता तथा मानकों में उन्नयन बनाए रखेगा। यात्रियों की शिकायतों से बचने के लिए मात्रा और गुणवत्ता में कमी और घटिया ब्रांडों के उपयोग से बचने के लिए सुरक्षा उपाय भी सुनिश्चित करेगा। दरअसल, रेलवे की खानपान सूची में यात्रियों के मनमाफिक नाश्ता और भोजन शामिल नहीं रहता। सफर में यात्रियों को खानपान को लेकर परेशान होना पड़ता है।

संपत्ति विवाद में मां और छोटे बेटे ने जहर खाकर दी जान

गोरखपुर के गोरखनाथ इलाके के जन प्रिय बिहार कॉलोनी में संपत्ति विवाद में मां और बेटे ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मंगलवार देर रात 11.30 बजे की है।

जनप्रिय बिहार इलाके के एलआईजी 100 में सरोज देवी (55) अपने बड़े बेटे श्रीश राव और छोटे बेटे मनीष राव (28) के साथ रहती थी। कुछ माह पहले उन्होंने जनप्रिय बिहार के मकान को 69 लाख में बेच दिया। रकम को मां और बड़े बेटे के संयुक्त खाते में रखा गया था।

मोहल्ले वालों के अनुसार, बड़े बेटे ने चुपके से खाते को एकला करवाने के साथ रकम निकाल कर अलग जगह मकान खरीद लिया। इसकी जानकारी होने पर मां नाराज हुई तो वह 10 नंबर को पत्नी के साथ ससुराल में जाकर रहने लगा। इस बीच कई बार मां ने छोटे बेटे के लिए रुपये की मांग की, लेकिन, बड़े बेटे ने रुपये देने से इनकार कर दिया।

मंगलवार को भी मां बेटे ने श्रीश को फोन कर रुपये मांगे, लेकिन उसने पैसे देने से मना कर दिया। आरोप है की श्रीश के व्यवहार से आहत मां और बेटे ने मंगलवार देर रात जहर खा लिया। जानकारी मिलने के बाद लोगों दोनों को सबसे पहले जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से रेफर करने के बाद मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

करीब 11:30 बजे के आसपास उन्होंने दम तोड़ दिया और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद गोरखनाथ पुलिस ने उन्हें रहने की व्यवस्था ना होने तक उसी घर में

में शव को कब्जे में ले लिया है।

बेचे गए अपने मकान में ही किराएदार बनकर रह गए थे दोनों

करीब 6 महीने पहले जब सरोज देवी ने अपना मकान बेचा था तो खरीदने वाले रहने की अनुमति दे दी थी। लिहाजा वह पिछले 6 माह से अपने ही मकान में किराएदार बनकर रह रहे थे। वहीं छोटा बेटा मनीष गोडधोइया नाले के पास गाड़ी धोने की दुकान चलाता था।

बीडीओ, एडीओ समेत पांच मिले अनुपस्थित

रोसयाबाजार। ब्लॉक मुख्यालय पौली कार्यालय का मंगलवार को सीडीओ अतुल कुमार मिश्र ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक परिसर की साफ–सफाई समेत कार्यालय के अभिलेखों की जांच की गई। बीडीओ महाबीर सिंह, एडीओ अखिलेश चौहान व तीन ग्राम सचिव अनुपस्थित मिले। जिनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

सीडीओ अतुल कुमार मिश्र ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर विकास कार्यों में लापरवाही की शिकायत मिली तो विधिक कार्यवाई की जाएगी। उन्होंने एक–एक का योजनाओं की समीक्षा की।

सीडीओ ने कहा कि ब्लॉक कार्यालय से गांव में सफाई के लिए अभियान चलता है और प्रेरित किया जाता है। ऐसे में ब्लॉक परिसर की सफाई बेहतर तरीके से होनी चाहिए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने अनुपस्थित सभी कर्मियों से दो दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। इस मौके पर एडीओ पंचायत राधेश्याम चौधरी, एडीओ आईएसबी अशोक कुमार यादव, विश्वविजय पांडेय, विनय कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

खड़े ट्रेलर से टकराई यात्रियों से भरी बस एक यात्री की मौत

फोरलेन पर कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खजुहा (रमवापुर) के गांव के निकट बुधवार को तड़के खडे ट्रेलर से बस टकरा गई। घटना में बस में सवार एक यात्री की घटनास्थल पर मौत हो गई। सात यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और एनएचएआई की टीम ने कड़ी मेहनत करके घायलों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया।

लखनऊ से यात्रियों को लेकर आलमबाग डिपो की बस बुधवार को गोरखपुर जा रही थी। तड़के 4रू30 बजे जैसे ही बस फोरलेन के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खजुहा (रमवापुर) गांव के निकट पहुंची तभी अचानक बस अनियंत्रित होकर मार्बल लदे खड़े ट्रेलर से पीछे से टकरा गई।

घटना में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और केबिन में आगे बैठे विपिन कुमार (20 वर्ष) सिंह पुत्र राजेंद्र निवासी फिरोजपुर थाना दरियाबाद जिला बाराबंकी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बस में सवार यात्री मनोज कुमार सिंह (40 वर्ष) इंदिरा नगर लखनऊ, राजीव जयसवाल गोरखपुर महाराजगंज, शैल कुमारी गोरखपुर सहित कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने फोन के जरिये परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

दबंगों द्वारा अवैध तरीके से किया जा रहा है भूमधरी जमीन पर कब्जा

पीड़ित ने लगाई उप जिलाधिकारी से गुहार।

प्रतापगढ़। जिले में भू माफियाओं की मनमानी सर पर चढ़कर बोल रही है।जहां पर यह दबंग भूमाफिया अपनी मनमानी करते हुए भूमिधरी की जमीन पर कब्जा करते हुए नजर आ रहे हैं।लेकिन पीड़ित का सुनने वाला कोई नहीं है। अंतू कोतवाली क्षेत्र के बभनी गांव निवासी बलराम मिश्रा पुत्र कृष्ण कुमार मिश्र ने पुलिस को सूचना दी की हमारे पड़ोस की ही भू माफिया हमारी भूमधरी जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे है।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित पक्ष को ही उठाकर थाने में बंद कर दिया गया। लेकिन दबंग भू माफियाओं के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं की गई स यह दबंग भू माफिया सत्ताधारी दल के नेता होने का धौंस दिखाकर अपनी मनमानी करते हुए प्रार्थी की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण करवा रहे हैं स पीड़ित ने उप जिलाधिकारी महोदय को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि प्रार्थी की जमीन बभनी गांव में स्थित गाटा संख्या 1699 का सह खातेदार हैं जिस पर सत्ताधारी दल के लोग प्रार्थी की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण करवा रहे हैं स दबंग भूमाफिया मथुरा तिवारी व अपने अन्य साथियों की मदद से प्रार्थी की उक्त जमीन पर अवैध रूप से निर्माण करा रहे हैं व दबंगई के बल पर प्रार्थी की भूमि पर कब्जा कर रहे हैं प्रार्थी द्वारा मना करने पर गाली गलौज व मारपीट पर उतारू हो रहे हैं स जिसकी सूचना पीड़ितों द्वारा अंतू कोतवाली में दी गई जिसमें पुलिस द्वारा पीड़ित पक्ष के लोगों को उठाकर थाने में बंद कर दिया। जिसके बाद पीड़ित ने उपजिलाधिकारी को मामले का अवगत कराया की जमीन पर दबंग भू माफियाओं द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है जिसमें उपजिलाधिकारी ने अंतू कोतवाली प्रभारी से बात कर मामले से सुलझाने का आश्वासन दिया है सअब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन इन गरीब ग्रामीणों की जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को रोकने में कामयाब हो पाएगा या फिर दबंग भू माफियाओं की मनमानी ऐसे ही चलती रहेगी यह एक बड़ा सवाल है।

जिलाधिकारी ने हेल्थ एटीएम लगाये जाने के सम्बंध में बैठक की

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में हेल्थ एटीएम लगाये जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने संगठनों के प्रमुख अधिकारियोंध्प्रबंधकों से प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्रों पर हेल्थ एटीएम लगाये जाने के लिए कहा है, जिससे कि मशीनों के माध्यम से कई तरह की जांचे की जा सकती है। छोटी मशीनों में 25 तथा बड़ी एटीएम मशीनों के द्वारा 75 तरह की जांचों की सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा के माध्यम से टेली कम्यूनिकेशन के माध्यम से चिकित्सकों से परामर्श भी लिया जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि हेल्थ एटीएम सुविधा आमजनमानस के लिए बहुत की उपयोगी सिद्ध होगी। जनपद में अभी तक 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोटवा बनी (बहादुरपुर), जसरा तथा कौड़िहार में हेल्थ एटीएम की सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, मुख्य चिकित्साधिकारी श्री नानक सरन सहित एनटीपीसी बारा, एनटीपीसी मेजा, ईफ्कों फूलपुर, इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन, इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन, यूनाईटेड मेडिसिटी, इण्डियन आयल कार्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, अल्ट्राटेक सीमेंट, प्रयागराज पावर जनरेटर कम्पनी लि0, लीड बैंक मनेजर सहित अन्य बैंको के अधिकारीध्प्रबंधकगण उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों के लिए सूचना व आमंत्रण

पूर्व सैनिक एवं परिवार मिलन सम्मेलन 27 नवंबर 2022 ,रविवार प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक न्याय बिहार, जयंतीपुर, सुलेम सराय , प्रयागराज महानगर में वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति प्रयागराज के तत्वावधान में पूर्व सैनिक एवम् परिवार मिलन सम्मेलन 27 नवंबर 2022 रविवार प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक पूर्व सूबेदार मेजर आर यन सिंह (मो. 9454018349) के आवास परिसर 291ध बी न्याय बिहार जयंतीपुर नजदीक संस्कार इंटरनेशनल स्कूल गेट नंबर 1 ,सुलेम सराय ,प्रयागराज (शेरवानी लीजेंसी गेट नंबर 1 से पहले दाहिने पटेल बिल्डिंग शॉप से थोड़ा आगे कॉर्नर पर) प्रयागराज महानगर में होगी जिसमें आप सभी पूर्व सैनिक परिवार सहित,वीर नारियां एवं समिति के पदाधिकारी व सदस्यगण सादर आमंत्रित हैं कृपया समय से पहुंचकर बैठक में पूर्व सैनिकों की पेंशन संबंधी समस्या समाधान एवं उनके कल्याण हेतु विषयों आदि पर चर्चा कर कार्य योजना बनाएं जिससे सभी लाभांन्वित हों व इस हेतु पूर्व सैनिक संगठन को मजबूत बनाएं ,बैठक जलपान ,चाय नाश्ता के साथ संपन्न होगी,आप सभी की समय से उपस्थिति प्रार्थनीय है

पांच राज्यों के बारह जत्थो मे प्रयागराज आएंगे तीर्थयात्री

प्रयागराज 16 नवम्बर 2022। काशी तमिल संगमम के माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत काशी, प्रयागराज और अयोध्या आ रहे तीर्थयात्रियों के दिलों में संगम नगरी तीर्थराज प्रयागराज की छटा, संस्कृति और विरासत और स्वागत को दिल में बसाके जाएंगे दक्षिण भारतीय यात्री। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के महामंत्री अशोक चौरसिया ने बुधवार को सायं जिला कार्यालय सिविल लाइंस प्रयागराज में यमुनापार, महानगर, गंगापार के जिला पदाधिकारियों,मोर्चा जिलाध्यक्षों,मंडल अध्यक्षों एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक करते हुए दक्षिण भारत के पाँच राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक,आन्ध्रप्रदेश आदि से विधार्थी, साहित्यकार, साधू–संत, व्यापारियों, प्रोफेसर, लेक्चरर, ग्रामिण क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो, सांस्कृतिक क्षेत्र के लोगों का बारह समूहों मे दर्शनार्थियों का जत्था वाराणसी में काशी विश्वनाथ के दर्शन,गंगा आरती, खान–पान के बाद प्रयागराज में त्रिवेणी संगम स्नान,लेटे हुए हनुमान मंदिर का दर्शन, आजाद पार्क के इतिहास और भ्रमण के बाद स्वामी नारायण मंदिर में भोजन कर अयोध्या को रवाना होंगे। अशोक चौरसिया ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत की सपनों को साकार करने के लिए प्रयागराज के कार्यकर्ता बाई रोड़ आ रहे तीर्थयात्रियों के भव्य–दिव्य स्वागत करेंगे और प्रयागराज के अतिथि सत्कार को उत्तर भारत से दक्षिण भारतीय तीर्थयात्री दिल में बसाकर ले जाएंगे। तीर्थयात्रियों का जत्था प्रयागराज में 21 नवम्बर से 17 दिसंबर के बीच आऐगा। जिसमें स्वागत अभिनंदन के लिए महानगर, गंगापार, यमुनापार के कार्यकर्ताओं का हूजूम उपस्थित रहेगा। यमुनापार जिला प्रभारी ओंकार नाथ केसरी ने भी बैठक को सम्बोधित करते हुए वृत्त लेकर अतिथियों के भव्य स्वागत अभिनंदन के तैयारियां पर मार्गदर्शन दिया। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया की दर्शनार्थी प्रयागराज में सुबह 11 बजे से 2:30 दोपहर तक रहेंगे उसके बाद अयोध्या रवाना हो जाएंगे। बैठक मे आगामी स्वागत के टीम और कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के स्वागत अभिनंदन की सूची बनाई जा रही है। जल्द ही जिम्मेदारियां सौप कार्यकर्ताओं को संगठन अवगत कराएगा। स्वागत सम्बोधन महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने किया व आभार गंगापार जिलाध्यक्ष अश्वनी दुबे ने व्यक्त किया। बैठक में सांसद फूलपुर केसरी देवी पटेल, महापौर अभिलाषा गुप्ता, रणजीत सिंह,शशिवाष्णेय, देवेन्द्र नाथ मिश्र, कुंज विहारी मिश्रा, राजेश शुक्ला,रमेश पासी, त्रिवेणी प्रसाद पांडेय, अशोक पाण्डेय,राजेश्वरी तिवारी,अजीत सिंह, राजेश केसरवानी,बृजेश कुमार त्रिपाठी, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, सुभाष सिंह पटेल,राजू पाठक, सुभाष वैश्य,सुधाकर पाण्डेय,कुशल जैन,राजमणि पासवान, शतीश विश्वकर्मा, श्यामबाबू केसरवानी,संजय पटेल आदि जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अजय अग्रहरि भाजपा मुट्ठीगंज मंडल के संयोजक नियुक्त किए गए

16 नवंबर प्रयागराज, भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी जी के संस्तुति पर अजय अग्रहरि जी को मुट्ठीगंज मंडल का संयोजक नियुक्त किया गया मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि अजय अग्रहरि जी को मुट्ठीगंज मंडल का संयोजक बनाए जाने से मुट्ठीगंज मंडल के संगठनात्मक कार्य में तेजी आएगी और इनके संयोजन में मुट्ठीगंज मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहरेगा इस अवसर पर मुट्ठीगंज के कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दिया बधाई देने वालों में मुख्य रूप से पूर्व पार्षद दिगंबर त्रिपाठी, देवेंद्र मिश्रा,राजेश केसरवानी प्यारेलाल जायसवाल, किशन चंद्र जायसवाल, सत्या जायसवाल, आशीष जायसवाल,पार्षद रुचि गुप्ता,पार्षद कुसुम लता गुप्ता,मालती केसरवानी, विजय कृष्ण मेहता,पूर्व पार्षद नीरज गुप्ता, सुशील निषाद, शत्रुघ्न जायसवाल, आनंद मिश्रा, लव कुश केसरवानी,शारदा ओझा, विनोद सोनकर मालती केसरवानी,स्वाति गुप्ता, अर्चना केसरवानी,आर्यन सक्सेना, इशान पाठक सुमित कुमार, विजय श्रीवास्तव, अनिल कुमार, अनिल गौड़, पदमाकार श्रीवास्तव, दिलीप चौधरी, कमलेश,रजनीश श्रीवास्तव, हरीश मिश्रा, आदि ने बधाई दी

सतपुत्र ने छोड़ा किन्नर अखाड़ा का दामन

प्रयागराज। वर्ष 2019 में प्रयागराज की धरती पर आयोजित कुंभ मेले में किन्नर अखाड़ा को एक विशिष्ट पहचान दिलाने वाले और मेले में अखाड़े की व्यवस्थाओं को कुशलता से संचालित करने वाले अखाड़े के सतपुत्र अनुराग शुक्ला ने अखाड़े का दामन छोड़ दिया। वह अखाड़े से जुड़े किन्नरों के क्रियाकलापों से आहत थे। श्री शुक्ल ने मोबाइल के जरिये अपना त्यागपत्र अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भेज दिया है। उन्होंने अपने त्यागपत्र में किन्नर समाज के क्रियाकलापों से भी अखाड़ा प्रमुख को अवगत कराया है। श्री शुक्ल ने लिखा है कि प्रयागराज में किन्नर समाज के लोग बधाई के नाम पर स्थानीय लोगों का शोषण कर रहे हैं। पैसों के लिए लोगों को अपमानित करते हैं। शहर के कीडगंज, बहादुरगंज, बलुआघाट, अतरसुइया के मीरापुर आदि क्षेत्रों में किन्नर समाज के लोग गरीबों से भी मोटी रकम की मांग करते हैं। न देने पर अपमानजनक हालात पैदा कर देते हैं। कई बार तो किन्नरों से जान छुड़ाने के लिए लोगों को कर्ज तक लेना पड़ जाता है। किन्नरों की मनमानी और शर्मनाक आचरण के चलते कई बार गंभीर विवाद की स्थिति भी पैदा हो चुकी है। कुछ मामलों में तो पुलिस को भी हस्तक्षेप करना पड़ा है। मनमानी धन उगाही के चलते ही किन्नरों में आए दिन आपस में भी टकराव देखने को मिलता रहता है। पैसों की लालच में यह एक–दूसरे की जान के दुश्मन भी बन रहे हैं, ऐसा भी मामला प्रकाश में आ चुका है। सतपुत्र पद का त्याग करने वाले श्री शुक्ल ने बताया कि 2019 कुंभ के बाद किन्नर अखाड़ा को एक विशेष पहचान मिली और इस समाज की ओर सरकारों का ध्यान गया। किन्नर समाज के उत्थान के लिए केंद्र व प्रदेश की सरकारों ने कई योजनाएं चलाई। उत्तर प्रदेश सरकार ने तो इनके लिए शकिन्नर आयोगश तक गठित किया है। लेकिन इनके गलत आचरण के चलते समाज में आक्रोश पैदा हो रहा है जो भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। चाहे अमीर हो या गरीब हर किसी से बधाई के नाम पर किन्नरों द्वारा ग्यारह हजार से एक लाख रुपये तक की मांग की जाती है जो कहीं से भी उचित नहीं है। यदि समय रहते प्रदेश व केंद्र की सरकार इन पर अंकुश नहीं लगाएगी तो हालात काफी खराब हो सकते हैं। श्री शुक्ल ने सरकार से बधाई की एक निश्चित राशि तय किए जाने की भी मांग की है ताकि विवाद की स्थिति से बचा जा सके और लोगों को अपमानित भी न होना पड़े।

अपनी लोक संस्कृति और पुरखों की विरासत सहेज रहा महोत्सव : प्रो0गिरीश

करछना, प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित सात दिवसीय24 वें जमुनापार महोत्सव का मंगलवार देर रात भव्य समापन हुआ। मंच पर पहुंचे समारोह के मुख्य अतिथि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, उच्च शिक्षा आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि महोत्सव निश्चित रूप से एक ही मंच पर अपने कवियों, कलाकारों, साहित्यकारों, सन्तों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं को संजोकर अपनी पुरखों की विरासतऔर लोक संस्कृति का संवाहक बन चुका है। आज के बदलते दौर में अपनी इस विरासत को सहेजना बहुत जरूरी है जो हमारे लोकपरंपरा आस्था, संस्कृति और राष्ट्र की पहचान है। सभीअतिथिजनों का स्वागत करते हुए महोत्सव के संयोजक डॉ भगवत पांडेय ने कहा कि अपनी प्रीति रीतिऔर नीति को एक ही मंच पर जीवंत कर रहा यह महोत्सव अपनी विभूतियों के आशीष के साथ अनवरत आगे बढ़ रहा है और पूरे जमुनापार में एक मिशाल बनकर नई पीढ़ी को भी संदेश दे रहा है। उन्होंने सात दिवसीय महोत्सव में पधारे सभी विशिष्टजनों और श्रोताओं का स्वागत आभार प्रकट किया। इसके पूर्व नन्हे–मुन्ने बच्चों ने मनमोहक रंगोलियां सजाई और लोकनृत्य प्रस्तुत कर समापन समारोह में खूब समा बांधी।पहले सत्र के मुख्यअतिथि आकाशवाणी दूरदर्शन के निदेशक लोकेश शुक्ला ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए अपनी प्रस्तुत गजल में जिंदगी के मर्म को बखाना तो वहीं रामलोचन सांवरिया, नीलिमा मिश्रा, फतेह बहादुर सिंह ऋषिराज, और कवि जीतेंद्र जलज ने अपने काव्य पाठ से समापन समारोह को अनुरंजित करते हुए खूब तालियां बटोरी।महोत्सव की परंपरा के अनुरूप मंच पर अमरशहीद संतोष तिवारी के पिता रामानंद तिवारी,तमिल के तुलसी डॉ. एम गोविंद राजन,निदेशक लोकेश शुक्ल समेत जमुनापार महोत्सव से प्रेरणा लेकर चल रहे शंकरगढ़ महोत्सव के संयोजक सूर्य निधान पांडेय, कोरांव महोत्सव के संयोजक शशि द्विवेदी, डॉ.अनिल पांडेय, मेजा महोत्सव के अभिषेक तिवारी,करछना के विपिन सिंह परिहार, कौंधियारा महोत्सव के संयोजक मुकेश शुक्ला को साल और प्रयागदर्शन प्रदान कर मुख्य अतिथि द्वारा मंच पर सम्मानित किया गया। रामकथा के मुख्य प्रवाचक स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी महाराज ने जमुनापार की थाती को संभाल रहे अपनी विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं को एक मंच पर संजोने के लिए महोत्सव की प्रशंसा करते हुए आशीष प्रदान किया। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कथा श्रवण करने आए भक्तजनों कवियों कलाकारों सन्तों के प्रति आभार प्रकट किया। पहले सत्र का संचालन राजेंद्र शुक्ल और समापन समारोह का संचालन महोत्सव के कार्यक्रम समन्वयक हास्य कवि अशोक बेशरम ने किया। भव्य आरती के साथ पांण्डाल श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। प्रसाद वितरण के बाद महोत्सव का सुखद समापन हुआ। इस मौके पर विधायक करछना पियूष रंजन निषाद,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, भानुअग्रवाल, डॉ.मणिशंकर द्विवेदी, समाज शेखर, गजेन्द्र प्रताप सिंह, योगेंद्र शुक्ला डॉ.दिनेश सोनी, संकठा प्रसाद द्विवेदी, मोहिनी श्रीवास्तव, शोभनाथ द्विवेदी, अजय सिंह,संतोष मिश्रा, कमला शंकर त्रिपाठी,जितेंद्र कुमार, विजय पाल,संतोष शुक्ला समर्था समेत जमुनापार के कई क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आये गणमान्य लोग और विद्यालय के छात्र मौजूद रहे।

ज्वाला देवी गंगापुरी रसूलाबाद में यातायात जागरूकता अभियान कार्यक्रम मनाया गया

प्रयागराजः ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज गंगापुरी, रसूलाबाद, प्रयागराज के परिसर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज के पुलिस अधीक्षक नगर श्री संतोष मीणा जी व थाना शिवकुटी प्रयागराज के थानाध्यक्ष श्री मनीष कुमार तिवारी जी ने यातायात नियमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सबको किसी भी प्रकार की जनधन की हानि न हो इसके लिए यातायात के नियमों का पालन करते हुए सड़क पर चलना चाहिए। साथ ही यातायात से सम्बन्धित विभिन्न चिन्हों के विषय से छात्रध्छात्राओं को अवगत कराया। उन्होनें छात्रध्छात्राओं से स्वयं, अपने परिवार के सदस्यों व समाज के लोगों को यातायात के नियमों को बताने व पालन कराने का आग्रह किया। जिससे भावी दुर्घटनाओं से लोगों को बचाया जा सके। कार्यक्रम के इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री युगल किशोर मिश्र जी ने आये हुए अतिथियों का आभार ज्ञापन किया।

सम्पादकीय

पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा और विपक्ष के समक्ष राजनीतिक जमीन का संकट

नरेंद्र मोदी द्वारा भाजपा का नियंत्रण अपने हाथ में लेने के बाद से उनकी पार्टी ने 2014 और 2019 के आम चुनावों में अपने दम पर बहुमत हासिल किया है। यह ऐसी उपलब्धि है, जिसे हासिल करने के करीब भी वह कभी नहीं पहुंच पाई थी। कभी उत्तर और पश्चिम तक सिमटी रहने वाली भाजपा ने पूर्व और दक्षिण में भी अपना प्रभाव बढ़ाया है। मोदी के राष्ट्रीय फलक पर आने की अपनी महत्वाकांक्षा को सार्वजनिक करने से पहले तक बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में दूसरे नंबर की पार्टी बन सकती है, अपने दम पर असम में सत्ता में आ सकती है और तेलंगाना में भी सत्ता हासिल करने के करीब पहुंच सकती है।

हालांकि चुनावों में भाजपा की प्रभावी जीत प्रभावी शासन में नहीं बदल सकी है। मई, 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत आर्थिक, सामाजिक, नैतिक और संस्थागत रूप से अपने रास्ते से भटक गया। महामारी के टूटे कहर से पहले ही नोटबंदी और पैबंद लगी जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा दिया था और फिर कोविड के दौरान प्रधानमंत्री की नीतियों ने उसे और नुकसान पहुंचाया। मोदी की सत्ता के दौरान खतरनाक रूप से संपत्ति कुछ पसंदीदा पूंजीपतियों के हाथों में केंद्रित हो गई है और दूसरी ओर श्रम भागीदारी दर में गिरावट आई है। केंद्रीय गृहमंत्री की देखरेख में मुस्लिमों को कलंकित करने और हमारे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा उत्साह के साथ इसे आगे बढ़ाने से पहले से कमजोर सामाजिक ताना–बाना और तार–तार हो गया है। हमारे श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में योग्यता के बजाय विचारधारा के आधार पर कुलपतियोंध निदेशकों की नियुक्तियां किए जाने से विज्ञान तथा ज्ञान सृजन के क्षेत्र को बड़ा झटका लगा है। कुछ ऐसे सार्वजनिक संस्थान जिनसे स्वतंत्र रूप से काम करने की अपेक्षा रही है, वे हिंदुत्व की विचारधारा के औजार बन गए हैंय और अन्य संस्थान निर्लज्ज तरीके से सत्ता के करीबी पूंजीपतियों के लिए पक्षपाती हो गए हैं।

कुल मिलाकर मोदी सरकार का सत्ता में रहने का रिकॉर्ड अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह की सरकारों की तुलना में काफी कमतर है। वे अर्थव्यवस्था के संचालन में अक्षम हैं और उन्होंने समाज का गहराई से ध्रुवीकरण कर दिया है, उन्होंने सांविधानिक संस्थानों को खोखला कर दिया और हमारे लोकतंत्र को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया, इसके बावजूद मोदी की पार्टी को इन पंक्तियों के लिखे जाने तक राष्ट्रीय स्तर पर किसी तरह की चुनौती नहीं है। इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के चुनावों में चार में जीतने के बाद भाजपा 2024 के आम चुनाव में जीत की प्रबल दावेदार हो गई।

उनकी यह आरामदायक स्थिति उनके वित्तीय संसाधनों, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक ताकत और राज्य संस्थानों के नियंत्रण के कारण है, और दूसरी तरफ एक विश्वसनीय राष्ट्रीय विपक्ष की कमी है। एक उदासीन प्रशासनिक रिकॉर्ड के साथ स्थायी राजनीतिक सफलता की परिघटना आधुनिक दुनिया में असामान्य नहीं है। रूस में व्लादिमीर पुतिन, तुर्की में रिसेप एर्डोगन और जिंबाब्वे में रॉबर्ट मुगाबे ने लंबे समय तक सत्ता सुख भोगा है, बावजूद इसके कि उनके शासनकाल में उनके देश की अर्थव्यवस्था, संस्थाएं, सामाजिक ताना–बाना और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा छिन्न–भिन्न हो गई। भारत के एक इतिहासकार के रूप में मैं छोटी–सी तुलना करना चाहूंगा, जो कि वास्तव में इसके काफी करीब है। मुझे लगता है कि नरेंद्र मोदी और भाजपा केंद्र के स्तर पर उसी का अनुकरण कर रहे हैं, जो ज्योति बसु और माकपा ने पश्चिम बंगाल में पहले किया था। वाम मोर्चा, माकपा जिसका प्रमुख घटक था, 34 बरसों तक कोलकाता में सत्ता में रहा। उसमें से 23 साल ज्योति बसु मुख्यमंत्री रहे। और वह कोई प्रभावी मुख्यमंत्री भी नहीं थे। भारत में मोदी की भाजपा की तरह पश्चिम बंगाल में बसु की माकपा चुनाव जीतने में माहिर थी और शासन में अयोग्य।

1977 में जब ज्योति बसु पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने, उस समय उसके पास मजबूत औद्योगिक आधार था, शानदार यूनिवर्सिटी थीं, तट तक पहुंच थी और समृद्ध सांस्कृतिक जीवन था। यदि राज्य सरकार को समझदारी से चलाया गया होता, तो पश्चिम बंगाल आज भारत के सर्वाधिक विकसित प्रदेशों में से एक होता। माकपा अपने आप में पश्चिम बंगाल में कुछ है और केरल में कुछ और। केरल में वाम जाति और लैंगिक समानता को लेकर सामाजिक आंदोलनों से प्रेरित रहा है और सत्ता में रहने के दौरान उसने शिक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित किया है। राज्य में कांग्रेस के साथ बारी–बारी से सत्ता में हिस्सेदारी करने के कारण उस पर एक जवाबदेही का दबाव भी रहा है। मानव विकास में उनके योगदान के संदर्भ में, केरल में कम्युनिस्टों के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है। पश्चिम बंगाल के उनके कॉमरेडों के पास ऐसा कुछ नहीं है। फिर भी, माकपा वहां चुनाव जीतती रही। क्यों? एक बात तो यह है कि इसके कार्यकर्ता अन्य दलों की तुलना में अधिक संख्या में, अधिक व्यापक रूप से बिखरे हुए और अधिक प्रतिबद्ध थे। ज्योति बसु जहां पार्टी का सार्वजनिक चेहरा थे, उनकी कुलीनता और परिष्कार ने उन्हें कोलकाता के मध्यम वर्ग से प्रशंसा दिलाई, वहीं प्रमोद दासगुप्ता और अनिल विश्वास जैसे प्रतिबद्ध नेताओं ने जिलों में पार्टी के विकास की कड़ी निगरानी की।

माकपा की चुनावी सफलताओं के लंबे समय तक चलने का एक अन्य कारण यह था कि, श्सर्वहारा अंतरराष्ट्रीयवादश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बावजूद, मतदाताओं के लिए इसने सफलतापूर्वक खुद को बंगाली गौरव की पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया।

गुणवत्ता को गंभीर या खतरनाक के बजाय खराब के रूप में वर्गीकृत किए जाने के मायने

नवंबर के महीने में क्या कभी प्रदूषित हवा से छुटकारा मिल सकता है? अगर आप दिल्ली में रहते हैं, या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र या उत्तर भारत के किसी भी इलाके में रहते हैं, तो यह ऐसा समय है, जब वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स–एक्यूआई) हर रोज चर्चा का विषय बन जाता है। हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं, जब हवा की गुणवत्ता में थोड़ा–सा भी सुधार होता है और हवा की गुणवत्ता को श्गंभीरश या श्खतरनाकश के बजाय श्खराबश के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो जश्न मनाने लगते हैं। लेकिन आंशिक रूप से पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, औद्योगिक एवं वाहनों के धुएं तथा सड़कों की धूल की वजह से दिल्ली की जहरीली, धुएं से भरी हवा उन सभी लोगों के लिए आम बात हो गई है, जो इस शहर में रहते हैं। यह खबर बन जाती है, क्योंकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है। हर साल सर्दियों में हवा में विषाक्तता कई कारणों से बढ़ जाती है, जिसमें हवा की कम गति, त्योहार की आतिशबाजी और पड़ोसी राज्यों में किसानों द्वारा फसल अवशेषों को जलाना शामिल है। मानव स्वास्थ्य पर इसके भयंकर दुष्प्रभावों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। मगर भारत में वायु प्रदूषण न तो दिल्ली तक सीमित है और न ही सर्दियों तक और न ही शहरों तक। वायु प्रदूषण के बारे में सभी गर्मागर्म चर्चाओं में, जिस बात को अक्सर नजर अंदाज किया जाता है वह है, लोगों के विभिन्न समूहों पर वायु प्रदूषण का अलग–अलग प्रभाव। प्रदूषित हवा सबको प्रभावित करती है, लेकिन समान रूप से नहीं। जिन लोगों को अपनी आजीविका के लिए बाहर रहने की आवश्यकता होती है, वे प्रदूषित हवा से अधिक प्रभावित होते हैं। निवास स्थान भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सघन औद्योगिक या व्यावसायिक स्थानों के पास रहने वाले गरीब लोग घर के साथ–साथ काम पर भी औद्योगिक प्रदूषण के अधिक जोखिम का सामना करते हैं। इस आलेख को लिखे जाने के समय दिल्ली का एक्यूआई कुल मिलाकर 295 है, लेकिन दिल्ली में हर कोई एक ही तरह की जहरीली हवा में सांस नहीं ले रहा है। प्रमुख परिवहन केंद्र आनंद विहार, जहां वाहनों के उत्सर्जन और सड़क की धूल की उच्च सांद्रता है और साहिबाबाद का औद्योगिक क्षेत्र तथा पास में स्थित गाजीपुर लैंडफिल का एक्यूआई 342 से ऊपर है।

उन लोगों की स्थिति की कल्पना कीजिए, जिनके पास दिन के अधिकांश समय बाहर रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जैसे रिक्शा चालकों, सड़क पर दुकान लगाने वालों को जहरीली हवा में सांस लेना पड़ता है। इसके विपरीत, यदि आप दिल्ली के मध्य में स्थित लक्जरी होटल, द ओबेरॉय के मनोरंजन कक्ष में जाते हैं, तो आपको एक संकेत दिखाई देगा कि होटल सुइट्स के भीतर एक्यूआई 10 से कम है। पांच नवंबर को इस लक्जरी होटल के भीतर एक्यूआई वास्तव में सिर्फ तीन था, जबकि उस दिन दिल्ली का कुल एक्यूआई 444 था।

इस लक्जरी होटल का कहना है कि इसमें अत्याधुनिक केंद्रीकृत वायु शोधन प्रणाली है, जो ग्राहकों के होटल के कमरे में आने और होटल के अन्य हिस्सों में सांस लेने पर हवा को मौलिक रूप से साफ करती है। ओबेरॉय के एक वेटर ने मुझे बताया कि वह केवल स्वच्छ हवा के लाभ के कारण होटल के अंदर लंबे समय तक रहने से खुश है और जब उसने होटल से बाहर कदम रखा, तो उसने मास्क पहना था।

अति समृद्ध भारतीय अब एयर प्यूरिफायर लगाकर, घर के अंदर अधिक श्संरक्षित हवाश में खुद को बचाना चाहते हैं और बाहर निकलते समय मास्क लगाते हैं।

यह मदद तो करता है, लेकिन केवल आंशिक रूप से, क्योंकि एयर प्यूरीफायर पर काफी पैसे खर्च होते हैं और प्रत्येक कमरे को शुद्ध करने में बहुत खर्च आता है। इसके अलावा, हममें से बहुत कम लोग ही हमेशा स्वच्छ हवा वाले परिसरों में कैद होकर रह सकते हैं। दिल्ली की प्रसिद्ध सुंदर नर्सरी ने एक आउटडोर एयर प्यूरीफायर भी लगाया है, लेकिन इसका प्रभाव इसके आसपास तक ही सीमित है। बाकी लोग क्या करें? विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग वायु प्रदूषण को लेकर ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

भारत में शहरी वायु प्रदूषण से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच करने वाले 2011 के एक शोध पत्र ने निष्कर्ष निकाला कि ऐसा प्रदूषण विशेष रूप से गरीब लोगों के लिए हानिकारक है। उस शोध पत्र में बताया गया कि श्कम आय वाले लगभग 74 फीसदी लोग सालाना चौबीसों घंटे के औसत 150 माइक्रोग्रामध्घन मीटर से अधिक पीएम 10 सांद्रता स्तर में रहते हैं, जबकि मध्यम या उच्च आय वाले लोगों का यह आंकड़ा लगभग 58 फीसदी है। आवासीय क्षेत्रों के लिए सुरक्षित स्तर का मानक 60 माइक्रोग्रामध्घन मीटर तक है।

ये मुद्दे समानता से संबंधित हैंय उन्हें जहरीली हवा और इसके कारण होने वाली उच्च मृत्यु दर और बीमारी के बोझ के बारे में चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। हाल ही में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि यह सभी चार राज्य सरकारों की विफलता के कारण है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलाई जा रही है, जिससे हवा में भारी प्रदूषण हो रहा है। आयोग ने कहा कि किसान श्मजबूरी मेंश पराली जला रहे हैं और यह चार राज्य सरकारों की श्विफलताश के कारण हो रहा है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि श्राज्य सरकारों को उन पराली से छुटकारा पाने के लिए हार्वेस्ट मशीनें उपलब्ध करानी चाहिए, लेकिन वे पर्याप्त संख्या में आवश्यक मशीनें और अन्य उपाय उपलब्ध कराने में विफल रही हैंय नतीजतन, किसान पराली जलाने को मजबूर हैं, जिससे प्रदूषण होता है। इसलिए, कोई भी राज्य पराली जलाने के लिए किसानों को दोष नहींदे सकता है।श ऐसे में उम्मीद करनी चाहिए कि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार इस पर और वायु प्रदूषण में योगदान देने वाले अन्य कारकों पर एकमत हों और समस्याओं को सुलझाएं। जहरीली हवा हमें मार रही हैय वायु प्रदूषण के चलते हमारे बच्चों का जीवन और भविष्य दांव पर है।

सियांग नदी को चीन से खतरा, किराने बसे लोगों की आशंकाएं और भय के कारण

पिछले एक हफ्ते से जैसे ही सियांग नदी का पानी मटमैला होना शुरू हुआ, उसके किनारे बसे लोगों में आशंका और भय समा गया है। पहले भी जब–जब नदी का पानी गंदला हुआ, इस तेज गति वाली नदीं में ऊंची–ऊंची लहरें उठीं और सैकड़ों लोगों के खेत–घर उजड़ गए। इससे पहले अक्तूबर–2017, दिसंबर–2018 और वर्ष 2020 में भी इस नदी का पानी पूरी तरह काला हो गया था और इसका खामियाजा यहां के लोगों को महीनों तक उठाना पड़ा था।

सियांग नदी का उद्भव पश्चिमी तिब्बत के कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील से दक्षिण–पूर्व में स्थित तमलुंग त्सो (झील) से हुआ है। तिब्बत में 1,600 किलोमीटर के रास्ते में इसे यरलुंग त्संगपो कहते हैं। भारत में दाखिल होने के बाद इसे सियांग नाम से जाना जाता है। आगे 230 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह लोहित नदी से जुड़ती है। अरुणाचल के पासीघाट से 35 किलोमीटर नीचे उतरकर यह दिबांग नदी से जुड़ती है। फिर यह ब्रह्मपुत्र में परिवर्तित हो जाती है।

सियांग नदी में उठती रहस्यमयी लहरों के कारण लोगों में भय व्याप्त हो जाता है। आम लोग इसके पीछे चीन की साजिश मानते हैं। सभी जानते हैं कि चीन अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर दावा करता है और यहां वह आए दिन कुछ–न–कुछ हरकतें करता रहता है। इसी साल एक नवंबर की रात सियांग से तेज आवाजें आने लगीं और देखते ही देखते नदी का पानी गहरा काला और गाढ़ा हो गया। नदी का पानी पीने के लायक भी नहीं रहा। वहां मछलियां भी मर रही हैं। नदी के पानी में सीमेंट जैसा पतला पदार्थ होने की बात जिला प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में कही थी। सनद रहे, सियांग नदी के पानी से ही अरुणाचल प्रदेश की प्यास बुझती है, तब संसद में भी इस पर हल्ला हुआ था। चीन ने कहा था कि उसके इलाके में 6.4 तीव्रता वाला भूकंप आया था, संभवतया यह मिट्टी उसी के कारण नदी में आई होगी। हालांकि भूगर्भ वैज्ञानिकों के रिकॉर्ड में ऐसा कोई भूकंप उस दौरान चीन में महसूस नहीं किया गया था।

सियांग नदी में यदि कोई गड़बड़ होती है, तो अरुणाचल प्रदेश की बड़ी आबादी का जीवन संकट में आ जाता है। पीने का पानी, खेती, मछली–पालन सभी कुछ इसी पर निर्भर हैं। सबसे बड़ी बात सियांग में प्रदूषण का सीधा असर ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी और उसके किनारे बसे सात राज्यों के जनजीवन व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। असम के लखीमपुर जिले में पिछले साल आई कीचड़ का असर आज भी देखा जा रहा है। वहां के पानी में आज भी आयरन की मात्रा सामान्य से अधिक पाई जा रही है।

तिब्बत में यारलुंग सांगपो (सियांग) नदी को शिनजियांग प्रांत के ताकलीमाकान की ओर मोड़ने के लिए चीन दुनिया की सबसे लंबी सुरंग के निर्माण की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि सार्वजनिक तौर पर चीन ऐसी किसी योजना से इनकार करता रहा है। पर यह बात किसी से छिपी नहीं है कि चीन ने इस नदी को जगह–जगह रोककर यूनान प्रांत में आठ जल–विद्युत परियोजनाएं शुरू की हैं, क्योंकि इस नदी का सारा प्रवाह नियंत्रण चीन के हाथ में है।

मई–2017 में चीन भारत के साथ सीमावर्ती नदियों की बाढ़ आदि के आंकड़े साझा करने से इनकार कर चुका है। वह जो आंकड़े हमें दे रहा है, वह किसी काम का नहीं है। वैसे यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हिमालय के ऊपरी हिस्से सर्वाधिक संवेदनशील हैं और इसका असर वहां से निकलने वाली नदियों पर तेजी से पड़ रहा है। भले ही चीन के वादों के आधार पर केंद्र सरकार भी कहे कि चीन अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कोई खनन कार्य नहीं कर रहा है।

लेकिन हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइन मार्निंग पोस्ट की 2018 की रिपोर्ट बताती है कि अरुणाचल सीमा से सटे क्षेत्र में वह खनन कार्य कर रहा है।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

ये हैं वे पांच बड़ी गलतियां, जिनकी वजह से श्रद्धा के 35 टुकड़े छिपा नहीं पाया आफताब

दिल्ली में श्रद्धा वाकर हत्याकांड में आए दिन नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस को अभी तक श्रद्धा का सिर और धड़ नहीं मिला है। बाकी बॉडी के 13 टुकड़े मिले हैं। पुलिस को यह भी आशंका है कि जो हड्डियों मिली हैं वह जानवरों की हो सकती हैं। ऐसे में इनकी डीएनए जांच कराई जाएगी। जल्दी ही फोरेंसिक जांच के लिए हड्डियों को भेजा जाएगा। पूरे मामेल में पुलिस को अभी तक कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। महरौली पुलिस आज फिर से छतरपुर और

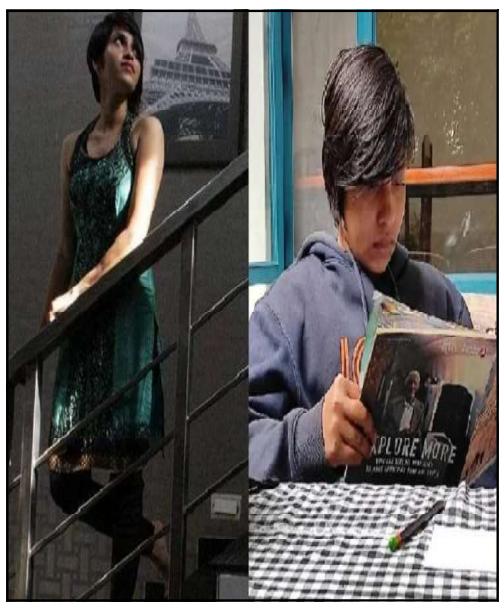

महरौली के जंगलों में श्रद्धा के शव के टुकड़ों को ढूंढने पहुंची। दोपहर करीबन 12रू00 बजे से पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। इस बीच जांच में सामने आया कि आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने जांच के शुरुआती दिनों में दिल्ली और मुंबई की पुलिस को धोखा देने की कोशिश की थी। आफताब ने कई सबूतों को मिटाकर श्रद्धा की हत्या को छिपाने की कोशिश की थी, हालांकि पुलिस ने मामले की सच्चाई तक पहुंचने के लिए डिजिटल सबूतों को ट्रेस किया, जिससे आरोपी पुलिस की पकड़ में आ गया। आइए जानते हैं आफताब की पांच वो गलतियां, जिनकी वजह से वह पकड़ा गया।

आफताब ने पुलिस को बताया था कि श्रद्धा 22 मई (श्रद्धा की 18 मई को हत्या कर दी गई थी) को झगड़े के बाद घर से निकली थी। आरोपी ने बताया कि उसने केवल अपना फोन अपने पास रखा था और अपना सामान उसके फ्लैट में छोड़ गई थी। हालांकि, सच्चाई तब सामने आई जब पुलिस ने कपल के फोन कॉल रिकॉर्ड चेक किए और उनकी लोकेशन की जांच की। पुलिस को श्रद्धा के फोन की लोकेशन दिल्ली के महरौली थाना क्षेत्र की निकली, यहीं आफताब रहता था।

पुलिस को सबसे बड़ी सफलता बैंक खाते के स्टेटमेंट से मिली। जिसमें 26 मई को श्रद्धा के नेट बैंकिंग अकाउंट ऐप से आफताब के खाते में 54,000 रुपये का लेन–देन दिखाया गया था। यह लोकेशन भी महरौली थाना इलाका की ही आई।

श्रद्धा वाकर की 18 मई को हत्या हुई। इसके अलावा 31 मई को श्रद्धा के इंस्टाग्राम अकाउंट से

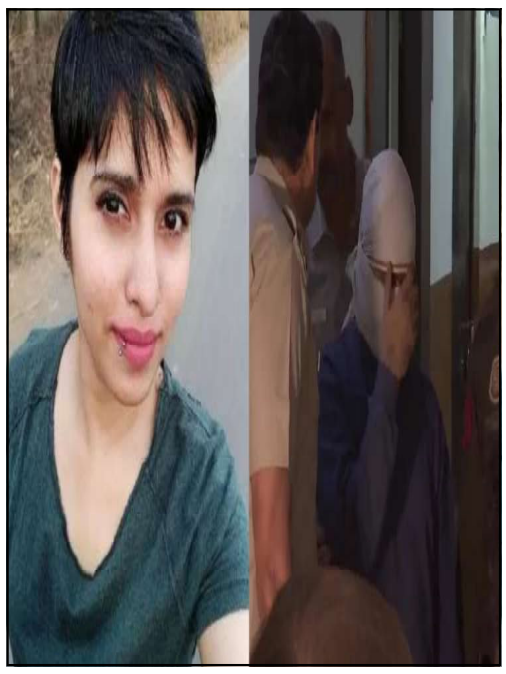

उनकी दोस्त के साथ चौट हुई थी। इसके बाद उसके फोन से उसके दोस्तों से जून–जुलाई तक श्रद्धा बनकर बात की। यही सब आफताब के गले की फांस बने। पुलिस के इस सवाल का जवाब आफताब नहीं दे पाया कि अगर श्रद्धा अपना फोन साथ लेकर गई थी तो उसकी लोकेशन उसके घर से क्यों ट्रेस की जा रही थी? इसी दौरान आफताब ने पुलिस के सामने सच उगल दिया।

आरोपी ने बीबीए समेत कई कोर्स किए हुए हैं और दिमाग से बहुत तेज है। अफताब गुडगांव में नौकरी करता था। श्रद्धा की हत्या करने के बाद आरोपी ने मोबाइल हैंडसेट बदल लिया था, लेकिन नंबर वही था। इससे वह आसानी से पकड़ा गया।

उधर, महाराष्ट्र पुलिस के सूत्रों ने बताया कि फोन बंद होने की वजह से जब श्रद्धा के परिवार वाले उससे संपर्क नहीं कर सके तो उन्होंने मानिकपुर पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद आफताब को पूछताछ के लिए मानिकपुर थाने बुलाया गया। आफताब पूनावाला को दो बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था, एक बार पिछले महीने और दूसरी बार 3 नवंबर को। आफताब से जब श्रद्धा के बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि श्रद्धा ने वह जगह छोड़ दी है जहां वह रहती थी। अब वो एक साथ नहीं रहते। जब भी आफताब को बुलाया जाता था पूछताछ के लिए उसने कभी भी अपने चेहरे पर बेचौनी या घबराहट नहीं आने दी।

इससे पहले मंगलवार को पुलिस सूत्रों ने बताया कि आफताब ने कबूल किया है कि उसने हत्या (18 मई) से एक हफ्ते पहले श्रद्धा को मारने का मन बना लिया था। उसने पुलिस को बताया कि 18 मई से एक सप्ताह पहले मैंने श्रद्धा को मारने का मन बना लिया था। उस दिन भी, श्रद्धा और मेरे बीच झगड़ा हुआ था। फिर वो भावुक हो गई और रोने लगी तो मैं पीछे हट गया। आफताब ने कहा कि श्रद्धा और उसके बीच अक्सर झगड़े होते थे।

आपको बता दें कि दक्षिण दिल्ली के महरौली में युवक आफताब अमीन पूनावाला (28) ने लिव इन में रह रही युवती श्रृद्धा वाकर(26) की हत्या कर उसके शव के करीब 35 टुकड़े कर दिए थे। उसने शव के टुकड़े घर के बाथरूम में किए और टुकड़ों को धोकर पॉलिथीन में पैक कर फ्रीज में रख दिया। वह पिट्ठू बैग में शव एक टुकड़े को रखता था और जंगल में फेंक कर आता। इस तरह वह करीब 22 दिन शव के टुकड़ों को फेंकता रहा। वह 22 दिनों तक शव के साथ घर में रहा। वह हर रात दो बजे टुकड़ों को महरौली के जंगलों में फेंकने जाता था।

क्या और कैसे होता है नार्को टेस्ट, जिससे सामने आएगी गुनाह की तस्वीर, खुलेंगे हत्या के हर राज

दक्षिण दिल्ली के साकेत की अदालत ने अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी आफताब पूनावाला का नार्को–विश्लेषण परीक्षण करने की अनुमति दी है, क्योंकि पूनावाला पुलिस को गलत जानकारी दे रहा है।

पुलिस को संदेह है कि पूनावाला ने अपनी प्रेमिका श्रद्धा वाकर के मोबाइल फोन के साथ क्या किया और जिस आरी से उसने कथित तौर पर उसकी हत्या करने के बाद उसके शरीर को काट दिया, उसके बारे में गलत जानकारी देकर जांचकर्ताओं को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। लिहाजा अब नार्को टेस्ट के जरिए ही श्रद्धा की हत्या के राज को उसके सीने से बाहर निकालने की कोशिश की जाएगी।

वहीं पुलिस को सोमवार शाम तक शव के 35 टुकड़ों में से करीब 13 मिल गए हैं। सभी टुकड़े हड्डियों में रूप में मिल रहे हैं। आफताब पुलिस को ये कहकर गुमराह करता रहा कि झगड़ा होने के बाद श्रद्धा छोड़कर चली गई है। पुलिस ने सख्ती से

पूछताछ की तो उसने सच उगल दिया। आफताब को किसी तरह का पछतावा नहीं है। आरोपी युवक का कहना है कि दोनों एक–दूसरे पर संदेह करते थे। उसे शव को ठिकाने लगाने का आइडिया विदेशी क्राइम सीरियल डेक्सटर से आया था।

सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान एक मनोचिकित्सक पुलिस टीम के साथ जाएगा। परीक्षण में एक दवा का इंजेक्शन शामिल होता है जो व्यक्ति को संज्ञाहरण के विभिन्न चरणों में प्रवेश करने का

कारण बनता है। यह एक कृत्रिम निद्रावस्था का चरण उत्पन्न करता है, जो एक व्यक्ति को कम हिचकिचाता है और ऐसी जानकारी प्रकट करने की अधिक संभावना होती है जो आमतौर पर चेतना की स्थिति में प्रकट नहीं होती है।

नार्को जांच एक परीक्षण प्रक्रिया होती है, जिसमें शख्स को ट्रुथ ड्रग नाम से आने वाल ली एक साइकोएक्टिव दवा दी जाती है। खून में दवा पहुंचते ही आरोपी अध चितेन अवस्था में पहुंचता है। हालांकि कई मामलों में सोडियम पेंटोथोल का इंजेक्शन भी दिया जाता है। जांच के दौरान मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट, मनोवैज्ञानिक और डॉक्टर होते हैं। इस दौरान अध र्मूर्छित आरोपी से जांच टीम अपने पैटर्न में सवाल पूछती है।

पुलिस इस मामले की जांच में लगी है कि कहीं आफताब का सहयोग किसी और ने तो नहीं किया था। हालांकि आरोपी ने इस बात से इनकार किया है लेकिन पुलिस नार्को टेस्ट कर इस बात की भी जानकारी हासिल करने की कोशिश करेगी।

दिल्ली पुलिस ने श्रद्धा हत्याकांड की परतों को खोलने के लिए बुधवार को क्राइम सीन को रिक्रिएट किया। इस दौरान आफताब से पूरी घटना की जानकारी ली गई। वहीं दूसरी ओर पुलिस को अभी तक आफताब के परिवार के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

श्रद्धा के टुकड़े करने से लेकर ठिकाने लगाने तक. दरिंदे आफताब ने किए ये 12 सनसनीखेज खुलासे

मुंबई में जवान युवक और युवती के बीच डेटिंग एप के जरिए दोस्ती हुई। यह दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में बदल गई। प्यार में पागल युवक और युवती ने मुंबई छोड़ दिया। दिल्ली आए, दोनों के बीच झगड़ा हुआ और फिर अफेयर की कहानी का दर्दननाक अंत भी हो गया। कातिल प्रेमी आफताब अमीन पूनावाला(28) ने लिव–इन पार्टनर श्रद्धा वाकर(26) की बेरहमी से हत्या की, फिर उसकी लाश के टुकड़े करने की सनसीखेज घटना ने सबको झकझोर दिया। आरोपी ने विदेशी क्राइम सीरियल डेक्सटर देखकर लाश के टुकड़े किए और उन्हें रात में ठिकाने भी लगाया। आरोपी ने बाथरूम में टुकड़े करने के बाद उन्हें धोकर पॉलिथीन में पैक किया और फ्रीज में रखा। 22 दिन तक रोजाना वह पिट्ठू बैग में एक टुकड़े को रखता था और जंगल में फेंक कर आता था। महरौली पुलिस ने करीब छह महीने बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा किया। आरोपी आफताब को पता था कि शव को घर में रखने से बदबू आएगी। इस कारण वह घर में हमेशा अगरबत्ती जलाकर रखता था। इसके अलावा उसे रूम फ्रेशनर भी इस्तेमाल करता था। इस तरह उसने करीब 22 दिन में काफी रूम फ्रेशनर खाली कर दिए थे। पुलिस को अभी तक उस हथियार को बरामद नहीं कर पाई है जिससे उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े किए थे। वहीं, श्रद्धा का मोबाइल फोन भी अभी तक नहीं मिला है। 18 मई को श्रद्धा और आफताब के बीच झगड़ा हुआ। विवाद के दौरान आफताब ने एक हाथ से श्रद्धा का मुंह दबाया। जब श्रद्धा चिल्लाने लगी तो आरोपी ने दूसरे हाथ से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को बाथरूम में रखा। 19 मई को उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने शुरू किए। उसने सबसे पहले उसके हाथ व पैर काटे। इसके बाद वह दो दिन तक शव के टुकड़े करता रहा। टुकड़े को धोता और पोछकर बोरिक पाउडर लगाता। इसके बाद वह पॉलिथीन में पैककर फ्रीज में रख देता।

आफताब ने अपनी लिव–इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या के बाद खून साफ करने का तरीका जानने के लिए गूगल किया था। पुलिस ने दावा किया है कि आफताब ने मानव शरीर की संरचना के बारे में पढ़ा था ताकि शरीर को काटने में मदद मिल सके। पुलिस ने कहा कि उन्होंने आफताब के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को जब्त कर लिया है और इसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने खुलासा किया कि सनसनीखेज श्रद्धा हत्याकांड में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने कत्ल करने से पहले श्डेक्सटरश सहित कई क्राइम वेब सीरीज और फिल्में देखी थीं। आरोपी आफताब ने श्रद्धा के शव के 35 टुकड़े कर आफताब ने उन्हें अलग–अलग जगह पर जंगल में फेंक दिया। महरौली थाने की पुलिस ने करीब छह महीने पहले हुई हत्या के मामले को सुलझाते हुए आफताब को गिरफ्तार कर लिया है।

19 मई को उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने शुरू किए। उसने सबसे पहले उसके हाथ व पैर काटे। इसके बाद वह दो दिन तक शव के टुकड़े करता रहा। टुकड़े को धोता और पोछकर बोरिक पाउडर लगाता। इसके बाद वह पॉलिथीन में पैककर फ्रीज में रख देता। वह शव के एक टुकड़े की पॉलिथीन को पिट्ठू बैग में रखता और रात दो बजे महरौली के जंगल में फेंक कर आ जाता। वह जंगल में शव के टुकड़ों को अलग–अलग जगहों पर फेंकता था। कई बार लोगों ने रात में जंगल में आने का उससे कारण पूछा तो वह कहता था कि वह शौच करने आया है। इस तरह वह 22 दिनों तक शव के टुकड़ों को जंगल में फेंकता रहा।

आरोपी फ्रिज के साइड वाले गेट पर खाने–पीने का सामान रखता था। जबकि उसके अंदर उसने शव के टुकड़े रखे हुए थे। फ्रिज में कोल्ड ड्रिक, पानी, बटर, पेप्सी व दूध आदि सामान रखा हुआ था। आरोपी फ्रीज से हर रोज फ्रीज से खाने–पीने का सामान निकालता था। हालांकि वह खाने का सामान ऑनलाइन मंगाता रहा।

सूत्रों के अनुसार, आफताब रोज उसी कमरे में सोता था, जहां उसने श्रद्धा की हत्या कर शव को काटा था।

गीतों के सहारे मतदाताओं को साधने की तैयारी, कांग्रेस के 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी

एमसीडी चुनाव गीत के सहारे लड़ने की तैयारी है। चुनावी लड़इया जनसंपर्क अभियान के तहत इस गीत प्रचार को मुख्य हथियार बनाएंगे। भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को अपना थीम सांग लॉन्च किया। भाजपा ने अपने विजय गीत में दिल्ली की व्यथा और कथा को सामने रखा है, जबकि आप का थीम सांग 'जनता की तैयारी है, केजरीवाल की बारी है' की पिच पर गढ़ा है। मजेदार बात यह कि दोनों थीम सांग में आवाज जन प्रतिनिधियों ने दी है। और दोनों पूर्वांचल से ताल्लुक रखते हैं। भाजपा ने सांसद मनोज तिवारी और आप ने विधायक दिलीप पांडेय की आवाज के सहारे मतदाताओं के बड़े वर्ग पर प्रभाव डालने की कोशिश की है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने अधिकारिक रूप से सांसद मनोज तिवारी द्वारा गाया नगर निगम चुनाव 2022 का पार्टी थीम सांग को लॉन्च किया। इस गीत में जहां एक ओर केजरीवाल सरकार के कुशासन से दिल्ली में वायु प्रदूषण, मैली यमुना, शराब घोटाले आदि को दर्शाया गया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली भाजपा एवं नगर निगम द्वारा कोविड काल में की गई सेवा, ढलाव मुक्त दिल्ली बनाने के लिए किए गए कार्य एवं विभिन्न अन्य सेवा कार्यों का उल्लेख किया गया है। गुप्ता ने कहा कि तिवारी के गाने के सहारे ही निगम चुनाव लड़ा था और अपने कार्यों एवं विकास के नए आयामों के आधार पर तीसरी बार जीते थे। इसलिए एक बार फिर से जनता की पूर्ण समर्थन के साथ निगम में आएंगे।

धर्मांतरण के विरोध पर प्रेमिका को चौथी मंजिल से फेंका युवती की मौत, आरोपी फरार

लखनऊ के दुबग्गा में जबरन धर्मांतरण के विरोध ा पर प्रेमी ने प्रेमिका को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां कुछ देर बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर हत्या व जबरन धर्म परिवर्तन कराने का केस दर्ज किया गया है। दुबग्गा की डूडा कॉलोनी में निधि गुप्ता (19) परिवार सहित रहती थी। उसका पास के ब्लॉक नंबर–40 में रहने वाले सूफियान नाम के युवक से प्रेम संबंध था। पुलिस के मुताबिक, कुछ दिन पहले सूफियान ने उसे मोबाइल फोन दिया था। यह बात मंगलवार को परिजनों को पता चल गई। इसकी शिकायत करने वे सूफियान के घर पहुंचे, तो दोनों परिवारों में कहासुनी हुई। इसी बीच युवती छत पर चली गई। उसके पीछे–पीछे सूफियान भी गया। युवती के परिजनों का आरोप है कि सूफियान ने युवती को छत से नीचे फेंक दिया। धर्म परिवर्तन कराने का कई दिन से बना रहा था दबावपरिजनों के मुताबिक, हाईस्कूल पास निधि ब्यूटी पार्लर में काम सीख रही थी। सूफियान उसका धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम रीति–रिवाज से निकाह करना चाहता था। इसके लिए वह कई दिनों से दबाव बना रहा था। जबकि, निधि इसका विरोध ा कर रही थी।आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें दे रहीं दबिशसूफियान और निधि दोनों परिवार के बीच हो रहे विवाद के कारण ब्लॉक के ज्यादातर लोग वहां जुट गए थे। इसी दौरान अचानक से चौथी मंजिल से युवती के गिरने की आवाज सुनाई दी। लोगों ने देखा तो युवती खून से लथपथ सड़क पर पड़ी थी। परिजन बेहोशी के हालत में आननफानन उसे ट्रामा सेंटर लेकर गए। वहीं , पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक युवती की कुछ देर बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सूफियान ही नहीं उसका पूरा परिवार घर पर ताला लगाकर फरार हो गया। सूफियान मोबाइल पर भी युवती पर धर्म बदलने के लिए ही दबाव बनाता था। प्रभारी निरीक्षक दुबग्गा सुखबीर सिंह भदौरिया के मुताबिक युवती के परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें दबिश दे रहीं है।लखनऊ के दुबग्गा में जबरन धर्मांतरण के विरोध ा पर प्रेमी ने प्रेमिका को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां कुछ देर बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर हत्या व जबरन धर्म परिवर्तन कराने का केस दर्ज किया गया है। दुबग्गा की डूडा कॉलोनी में निधि गुप्ता (19) परिवार सहित रहती थी। उसका पास के ब्लॉक नंबर–40 में रहने वाले सूफियान नाम के युवक से प्रेम संबंध था। पुलिस के मुताबिक, कुछ दिन पहले सूफियान ने उसे मोबाइल फोन दिया था। यह बात मंगलवार को परिजनों को पता चल गई। इसकी शिकायत करने वे सूफियान के घर पहुंचे, तो दोनों परिवारों में कहासुनी हुई। इसी बीच युवती छत पर चली गई। उसके पीछे–पीछे सूफियान भी गया। युवती के परिजनों का आरोप है कि सूफियान ने युवती को छत से नीचे फेंक दिया। धर्म परिवर्तन कराने का कई दिन से बना रहा था दबावपरिजनों के मुताबिक, हाईस्कूल पास निधि ब्यूटी पार्लर में काम सीख रही थी। सूफियान उसका धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम रीति–रिवाज से निकाह करना चाहता था। इसके लिए वह कई दिनों से दबाव बना रहा था। जबकि, निधि इसका विरोध ा कर रही थी।आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें दे रहीं दबिशसूफियान और निधि दोनों परिवार के बीच हो रहे विवाद के कारण ब्लॉक के ज्यादातर लोग वहां जुट गए थे। इसी दौरान अचानक से चौथी मंजिल से युवती के गिरने की आवाज सुनाई दी। लोगों ने देखा तो युवती खून से लथपथ सड़क पर पड़ी थी। परिजन बेहोशी के हालत में आननफानन उसे ट्रामा सेंटर लेकर गए। वहीं , पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक युवती की कुछ देर बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सूफियान ही नहीं उसका पूरा परिवार घर पर ताला लगाकर फरार हो गया। सूफियान मोबाइल पर भी युवती पर धर्म बदलने के लिए ही दबाव बनाता था। प्रभारी निरीक्षक दुबग्गा सुखबीर सिंह भदौरिया के मुताबिक युवती के परिजनों की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें दबिश दे रहीं है।लखनऊ के दुबग्गा में जबरन धर्मांतरण के विरोध ा पर प्रेमी ने प्रेमिका को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां कुछ देर बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले

के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

मुख्यमंत्री योगी ने मां पाटेश्वरी की आराधना का गोमाता का लिया आशीर्वाद व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की सुबह देवापाटन शक्तिपीठ में पूजा अर्चना की और गोमाता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया। मंदिर में चल रहे थारू जनजातीय छात्रावास में छात्रों की संख्या बढ़ाने का निर्देश महंत मिथिलेश नाथ योगी को दिया। जनप्रतिनिधियों से बाढ़ राहत के प्रबंधों के साथ ही अन्य बिंदुओं पर फीडबैक लिया।ब्रह्मलीन महंत योगी महेंद्र नाथ की श्रद्घांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में रात्रि विश्राम किया। बुधवार की सुबह मुख्यमंत्री ने सूर्यकुंड का भ्रमण किया। यहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद छात्रावास की सुविधाओं के बारे में प्रबंधन से जुड़े लोगों से विचार विमर्श किया।मुख्यमंत्री ने मंदिर परसिर का पूरा जायजा भी लिया। सुबह 7.30 बजे मुख्यमंत्री मां पाटेश्वरी के आराधना स्थल पर पहुंचे। करीब 45 मिनट तक मुख्यमंत्री ने मां का पूजन करने के साथ ही गर्भगृह में मां दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया। पूजन के बाद उन्होंने मंदिर में स्थापित महंत योगी महेंद्रनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।गोशाला की व्यवस्था का जायजा लिया और गोसेवा की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।मुख्यमंत्री ने गोशाला की व्यवस्था का जायजा लिया और गोसेवा की। कामधेनु गाय का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर शक्तिपीठ के महंत मिथिलेश नाथ योगी, बलरामपुर हनुमानगढ़ी के महंत महेंद्र दास, तुलसीपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह विक्की, अरुण गुप्ता, उमंग लाट, अरुण देव आर्य, अरविंद यादव आदि मौजूद थे।बाढ़ राहत का कैसा है इंतजाममुख्यमंत्री ने जिलाध यक्ष प्रदीप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, पूर्व सांसद दद्दन मिश्र, विधायक सदर पल्टूराम, तुलसीपुर विध ायक कैलाश नाथ शुक्ल, विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, डीपी सिंह से जिले में बाढ़ राहत को लेकर किए गए प्रशासनिक प्रबंधों के बारे में जानकारी ली। साथ ही नुकसान का आकलन करके प्रस्ताव शासन को भिजवाने को कहा। कानून व्यवस्था के साथ ही सड़कों के गड्ढामुक्ति अभियान के बारे में भी जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासनतुलसीपुर विध ायक कैलाश नाथ शुक्ल न ` हरहिरगंज–ललिया–बनकटवा मार्ग के जर्जर होने की बात कहते हुए चौड़ीकरण व उच्चीकरण की मांग की। मथुरा में अलग से बिजली उपकेंद्र की स्थापना कराए जाने का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द इसको पूरा करने का आश्वासन दिया।डेढ़ घंटे बाद श्रद्घालु कर सके मां का दर्शनमुख्यमंत्री योगी के पूजन के कारण शक्तिपीठ देवीपाटन मन्दिर में मां पाटेश्वरी का दर्शन श्रद्घालु डेढ़ घंटे बाद कर सके। हालांकि इस दौरान डीएम डॉ. महेंद्र कुमार, एसपी राजेश सक्सेना व सीओ कुंवर प्रभात सिंह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यवस्था संभालने में लगे हुए थे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की सुबह देवापाटन शक्तिपीठ में पूजा अर्चना की और गोमाता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया। मंदिर में चल रहे थारू जनजातीय छात्रावास में छात्रों की संख्या बढ़ाने का निर्देश महंत मिथिलेश नाथ योगी को दिया। जनप्रतिनिधियों से बाढ़ राहत के प्रबंधों के साथ ही अन्य बिंदुओं पर फीडबैक लिया।ब्रह्मलीन महंत योगी महेंद्र नाथ की श्रद्घांजलि कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में रात्रि विश्राम किया। बुधवार की सुबह मुख्यमंत्री ने सूर्यकुंड का भ्रमण किया। यहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद छात्रावास की सुविधाओं के बारे में प्रबंधन से जुड़े लोगों से विचार विमर्श किया।मुख्यमंत्री ने मंदिर परसिर का पूरा जायजा भी लिया। सुबह 7.30 बजे मुख्यमंत्री मां पाटेश्वरी के आराधना स्थल पर पहुंचे। करीब 45 मिनट तक मुख्यमंत्री ने मां का पूजन करने के साथ ही गर्भगृह में मां दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया। पूजन के बाद उन्होंने मंदिर में स्थापित महंत योगी महेंद्रनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।गोशाला की व्यवस्था का जायजा लिया और गोसेवा की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।मुख्यमंत्री ने गोशाला की व्यवस्था का जायजा लिया और गोसेवा की। कामधेनु गाय का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर शक्तिपीठ के महंत मिथिलेश नाथ योगी, बलरामपुर हनुमानगढ़ी के महंत महेंद्र दास, तुलसीपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह विक्की, अरुण गुप्ता, उमंग लाट, अरुण देव आर्य, अरविंद यादव आदि मौजूद थे।बाढ़ राहत का कैसा है इंतजाममुख्यमंत्री ने जिलाध यक्ष प्रदीप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, पूर्व सांसद दद्दन मिश्र, विधायक सदर पल्टूराम, तुलसीपुर विध ायक कैलाश नाथ शुक्ल, विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, डीपी सिंह से जिले में बाढ़ राहत को लेकर किए गए प्रशासनिक प्रबंधों के बारे में जानकारी ली। साथ ही नुकसान का आकलन करके प्रस्ताव शासन को भिजवाने को कहा। कानून व्यवस्था के साथ ही सड़कों के गड्ढामुक्ति अभियान के बारे में भी जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासनतुलसीपुर विध ायक कैलाश नाथ शुक्ल न ` हरहिरगंज–ललिया–बनकटवा मार्ग के जर्जर होने की बात कहते हुए चौड़ीकरण व उच्चीकरण की मांग की। मथुरा में अलग से बिजली उपकेंद्र की स्थापना कराए जाने का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द इसको पूरा करने का आश्वासन दिया।डेढ़ घंटे बाद श्रद्घालु कर सके मां का दर्शनमुख्यमंत्री योगी के पूजन के कारण शक्तिपीठ देवीपाटन मन्दिर में मां पाटेश्वरी का दर्शन श्रद्घालु डेढ़ घंटे बाद कर सके। हालांकि इस दौरान डीएम डॉ. महेंद्र कुमार, एसपी राजेश सक्सेना व सीओ कुंवर प्रभात सिंह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यवस्था संभालने में लगे हुए थे। सुबह 7.30 बजे मुख्यमंत्री मां पाटेश्वरी के आराधना स्थल पर पहुंचे। करीब 45 मिनट तक मुख्यमंत्री ने मां का पूजन करने के साथ ही गर्भगृह में मां दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया। पूजन के बाद उन्होंने मंदिर में स्थापित महंत योगी महेंद्रनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।गोशाला की व्यवस्था का जायजा लिया और गोसेवा की गोशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।मुख्यमंत्री ने गोशाला की व्यवस्था का जायजा लिया और गोसेवा की। कामधेनु गाय का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर शक्तिपीठ के महंत मिथिलेश नाथ योगी, बलरामपुर हनुमानगढ़ी के महंत महेंद्र दास, तुलसीपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण सिंह विक्की, अरुण गुप्ता, उमंग लाट, अरुण देव आर्य, अरविंद यादव आदि मौजूद थे।बाढ़ राहत का कैसा है इंतजाममुख्यमंत्री ने जिलाध यक्ष प्रदीप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, पूर्व सांसद दद्दन मिश्र, विधायक सदर पल्टूराम, तुलसीपुर विध ायक कैलाश नाथ शुक्ल, विधायक उतरौला राम प्रताप वर्मा, धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, डीपी सिंह से जिले में बाढ़ राहत को लेकर किए गए प्रशासनिक प्रबंधों के बारे में जानकारी ली। साथ ही नुकसान का आकलन करके प्रस्ताव शासन को भिजवाने को कहा। कानून व्यवस्था के साथ ही सड़कों के गड्ढामुक्ति अभियान के बारे में भी जानकारी ली।मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासनतुलसीपुर विध ायक कैलाश नाथ शुक्ल न ` हरहिरगंज–ललिया–बनकटवा मार्ग के जर्जर होने की बात कहते हुए चौड़ीकरण व उच्चीकरण की मांग की। मथुरा में अलग से बिजली उपकेंद्र की स्थापना कराए जाने का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द इसको पूरा करने का आश्वासन दिया।डेढ़ घंटे बाद श्रद्घालु कर सके मां का दर्शनमुख्यमंत्री योगी के पूजन के कारण शक्तिपीठ देवीपाटन मन्दिर में मां पाटेश्वरी का दर्शन श्रद्घालु डेढ़ घंटे बाद कर सके। हालांकि इस दौरान डीएम डॉ. महेंद्र कुमार, एसपी राजेश सक्सेना व सीओ कुंवर प्रभात सिंह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यवस्था संभालने में लगे हुए थे।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र ने दिखाया आईना, आपदा पीड़ितों को अब तक मरहम नहीं

पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ आने के बाद 100 दिन गुजर चुके हैं। लेकिन बाढ़ पीड़ितों की मुसीबत का अभी भी अंत नहीं हुआ है। देश में अभी तकरीबन 80 लाख ऐसे बाढ़ पीड़ित हैं, जिन्हें तुरंत मेडिकल सहायता की जरूरत है। बाढ़ पीड़ित इलाकों में पिछले तीन महीनों से संक्रामक बीमारियों का प्रकोप जारी रहा है। पाकिस्तान के बाढ़ पीड़ितों की ये पीड़ा संयुक्त राष्ट्र की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट से जाहिर हुई है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता का समन्वय करने वाले कार्यालय ने ये रिपोर्ट प्राकृतिक आपदा के 100 दिन पूरे होने पार जारी की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि मेडिकल इमरजेंसी के अलावा भी कई मुसीबतें हैं, जिनसे पाकिस्तान की बाढ़ पीड़ित आबादी अभी तक परेशान हैं। लगभग 35 लाख बच्चों की पढ़ाई–लिखाई अभी भी ठहरी हुई है। एक करोड़ 35 लाख लोगों को अभी भी संरक्षण संबंधी सेवाओं की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है– 'आपदा इतनी बड़ी थी और उससे इतना अधिक विनाश हुआ कि पीड़ितों को आने वाले कई महीनों तक सहायता पहुंचाने की जरूरत बनी रहेगी।' संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि बाढ से प्रभावित लोगों के बीच कुल मिला कर दो करोड़ से अधिक ऐसे लोग हैं, जिन्हें किसी ना किसी प्रकार की मदद की जरूरत बनी हुई है।

रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि ठंड का मौसम तेजी से करीब आ रहा है। इस मौसम में पीड़ितों को रहने और खाने–पीने संबंधी सहायता की ज्यादा जरूरत होगी। रिपोर्ट में बड़ी संख्या में तंबू और कंबलों को इकट्ठा करने की जरूरत पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बलूचिस्तान और सिंध प्रांतों में कई स्थान ऐसे हैं, जहां अभी तक पानी का जमाव बना हुआ है। सिंध प्रांत के डाडू, मीरपुरखा और खैरपुर जिलों में कई इलाके दो महीने तक पानी में डूबे रहे।

पाकिस्तान को ये मुश्किल उस वक्त झेलनी पड़ रही है, जब वह गहरे आर्थिक संकट में है। महंगाई दर ऊंची बनी हुई है, जबकि विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार चूक रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक इस स्थिति का असर आपदा के बाद राहत कार्यों पर पड़ा है। राहत कार्य मोटे तौर पर एशियन डेवलपमेंट बैंक, यूरोपियन यूनियन, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में चलाए गए हैं। अनुमान है कि बाढ़ के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 15.2 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। अब पुनर्वास कार्य पूरा करने के लिए उसे 16.3 बिलियन डॉलर की जरूरत है। बाढ़ के कारण देश में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी की संख्या चार फीसदी बढ़ी है। बाढ़ ने 91 लाख लोगों को गरीबी रेखा के नीचे धकेल दिया।

यहां पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट से देश में इस आपदा पर फिर ध्यान जाएगा। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि आपदा और उससे पीड़ित हुए लोगों को भूल कर पाकिस्तान के राजनेता सियासी उठा–पटक में जुटे हुए हैं। इसका बहुत खराब असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है।संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक बाढ़ से 23 लाख मकान क्षतिग्रस्त हुए। नौ लाख मकान तो पूरी तरह ढह गए। इस वजह से 54 लाख लोग अभी विस्थापित जीवन जी रहे हैं। इन सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए साढ़े 81 करोड़ डॉलर की जरूरत है, जबकि विदेशी सहायता से अब पाकिस्तान को 17 करोड़ डॉलर की मदद ही मिल पाई है।

अमेरिकी सियासत में फिर से उथल-पुथल मचाने के लिए तैयार हुए डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर दी है। इससे अमेरिकी राजनीति में फिर उथल–पुथल का दौर शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। बीते एक हफ्ते के दौरान अनुमान लगाया गया था कि 8 नवंबर के मिडटर्म चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन के बाद ट्रंप शायद फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का इरादा छोड़ दें। लेकिन बुधवार को फ्लोरिडा राज्य में स्थित अपने निवास मार–ए–लागो में अमेरिका के राष्ट्रीय झंडों से सजे एक मंच पर चढ़ कर एलान किया– 'अमेरिका को फिर से महान और गौरवपूर्ण बनाने के लिए मैं आज अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान करता हूं।'

अमेरिका के जाने–माने कारोबारी ट्रंप ने सात साल पहले राजनीति में प्रवेश किया था। तब वे राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी की होड़ में उतर गए थे। शुरुआत में उनकी संभावनाएं बेहतर नहीं मानी गई थीं। लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के दिग्गजों को परास्त करते हुए उन्होंने पार्टी की उम्मीदवारी हासिल कर ली। उसके बाद पूरी दुनिया को चौंकाते हुए 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में भी वे विजयी हो गए। इसलिए इस बार उनकी उम्मीदवारी को कोई हलके से नहीं ले रहा है।

ट्रंप के समर्थक सूत्रों ने मीडियाकर्मियों से कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने समय से काफी पहले उम्मीदवारी का एलान इस रणनीति से किया है कि इससे रिपब्लिकन पार्टी में उम्मीदवारी की पूरी बहस उनके इर्द–गिर्द केंद्रित हो जाएगी। इससे इन अटकलों को विराम मिल जाएगा कि हाल के चुनाव में अपने कई खास समर्थकों की हार से उनके हौसले पर खराब असर पड़ा है।

ट्रंप ने यह स्वीकार किया है कि मिडटर्म चुनावों में नतीजे उनकी पार्टी के लिए कुछ हद तक निराशानजक रहे। मगर साथ ही दो राज्यों में विजयी रिपब्लिकन पार्टी के गवर्नरों पर हमले तेज कर दिए हैं, जिनके बारे में अनुमान है कि वे राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की होड़ में उतर सकते हैं। ट्रंप का खास निशाना फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसैंटिस हैं, लेकिन उनकी निगाहें वर्जिनिया राज्य के गवर्नर ग्लेन यंगकिन पर भी टिकी हैं।

ट्रंप ने कहा है– 'मैंने उन दोनों का समर्थन किया। उनके लिए बड़ी रैली को संबोधित किया, जिससे उन्हें मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थक वोट मिले। वरना वे जीत के करीब भी नहीं पहुंच पाते।' डिसैंटिस के समर्थकों ने कहा है कि फ्लोरिडा के गवर्नर ट्रंप की आलोचना से बचना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने ट्रंप के दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई है।

अब पर्यवेक्षकों की नजर इस पर टिकी है कि क्या डिसैंटिस या रिपब्लिकन पार्टी का कोई अन्य नेता ट्रंप को चुनौती देने का साहस जुटाता है। ट्रंप समर्थकों का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति को मुख्य चिंता इस बात की है कि पिछले विवादों के कारण बहुत से कॉरपोरेट उन्हें चंदा देने से हिचकेंगे। इसलिए ट्रंप उम्मीदवारी पाने तक अपनी जेब से खर्च करने के लिए तैयार हैं। क्योंकि ट्रंप खुद बेहद धनी परिवार से आते हैं।

विश्लेषकों के मुताबिक ट्रंप की अधिक बड़ी चिंता उनके लिए बढ़ रही कानूनी चुनौतियां हैं। व्हाइट हाउस से कथित तौर पर गोपनीय दस्तावेज अपने साथ ले जाने और छह जनवरी 2021 को उनके समर्थकों के कैपिटॉल हिल (संसद भवन) पर हुए हमले के मामले में जांच आगे बढ़ रही है। अगर इनमें उन्हें सजा हुई, तो फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की उनकी मंशा पर पानी फिर सकता है।

MEDIA NEWS
हम बनेंगे आपकी आवाज
झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

न्यूजीलैंड की सड़कों पर रिक्शे में घूमते नजर आए हार्दिक और विलियम्सन, समंदर किनारे कराया फोटोशूट

भारतीय टीम मिशन 2024 टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत करने जा रही है। टीम इंडिया शुक्रवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें हार्दिक पांड्या टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि इससे टीम इंडिया में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है और अब रोहित शर्मा समेत कुछ सीनियर खिलाड़ियों को टी20 फॉर्मेट से हटा दिया जाएगा और हार्दिक को ही बतौर कप्तान प्रमोट किया जाएगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 वेलिंग्टन में खेला जाएगा। यह सीरीज

दोनों टीमों के लिए अहम होगा क्योंकि दोनों ही टीमों को टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हार मिली थी। ऐसे में दोनों टीमें अपना वर्चस्व दिखाने की कोशिश करेंगी। सीरीज से पहले दोनों ही टीमों के कप्तानों ने अनोखे अंदाज में वेलिंग्टन में फोटोशूट कराया। हार्दिक और विलियम्सन ने वेलिंग्टन के स्काई स्टेडियम के पास तस्वीरें खिंचवाईं।

इस दौरान दोनों ही एक स्पेशल रिक्शे में फोटोशूट के लिए पहुंचे। इस रिक्शे में दो स्टीयरिंग थी। हार्दिक और विलियम्सन दोनों ही रिक्शे को ड्राइव करते नजर आए। इसके बाद दोनों समूद्र किनारे रखी गई ट्रॉफी के पास पहुंचे और फिर फोटोशूट करवाया। हार्दिक और विलियम्सन इस दौरान हंसी–मजाक करते भी दिखे। जिस रिक्शे में दोनों बैठे थे, उसे न्यूजीलैंड में क्रोकोडाइल बाइक कहा जाता है। यह वहां काफी चर्चित है।

फोटोशूट के दौरान जब दोनों ट्रॉफी के साथ पोज दे रहे थे, तभी जोर की हवा आई और जिस डेस्क पर ट्रॉफी रखी थी, उसे हिला दिया। ऐसे में ट्रॉफी का बैलेंस बिगड़ा। हालांकि, विलियम्सन ने सही समय पर रिएक्ट करते हुए गिरते हुए ट्रॉफी को पकड़ लिया और उसे गिरने से बचा लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फैन्स विलियम्सन के रिएक्शन टाइम की काफी चर्चा कर रहे हैं। हार्दिक ने भी कार्डबोर्ड से बने डेस्क को गिरने से बचा लिया।

हार्दिक की कप्तानी में युवा भारतीय टीम ऑन पेपर मजबूत न्यूजीलैंड की टीम को हराने की कोशिश करेगी और इस बदलाव के दौर में खुद को साबित करना चाहेगी। टी20 सीरीज के तीन मैच 18, 20 और 22 नवंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला वनडे 25 नवंबर, दूसरा वनडे 27 नवंबर और तीसरा वनडे 30 नवंबर को खेला जाएगा। वनडे सीरीज में शिखर धवन टीम इंडिया की कप्तानी संभालेंगे।

न्यूजीलैंडरू केन विलियम्सन (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, लोकी फर्ग्यूसन, डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी और ब्लेयर टिकर।

भारतरू हार्दिक पंड्या (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), शुभमन गिल, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक।

एनएफडीसी को एजेंसी से मिले न्योते की जानकारी नहीं, भाकर बोले, पीआईबी ही देगा सारी सूचनाएं

भारत के 53वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के गोवा में आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। गोवा में होटलों के किराये दिन प्रति दिन आसमान छू रहे हैं और इस समारोह के लिए देश भर से जाने वाले तमाम पत्रकारों का गोवा जाना अधर में लटक गया है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के प्रबंध निदेशक रविंदर भाकर का इस बारे में साफ कहना है कि गोवा फिल्म फेस्टिवल के लिए कोई न्यौता उनके यहां से किसी मीडिया हाउस को अलग से नहीं भेजा गया। हां, इस समारोह में सब लोग आमंत्रित जरूर हैं। भाकर के मुताबिक एक एजेंसी जरूर जमीनी स्तर पर इस समारोह की कवरेज के लिए नियुक्त की गई है, लेकिन ये उसकी जिम्मेदारी है कि वह इसके लिए क्या प्रक्रिया अपनाती है।

आसमान छू रहीं होटलों की कीमतें

इस साल 20 से 28 नवंबर को गोवा में होने वाले भारत के 53वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सितारों से लेकर तमाम देसी विदेशी कंपनियों के अधिकारियों को न्यौते बांटे जा चुके हैं। गोवा के तमाम होटल सरकारी खर्च पर इन लोगों के लिए बुक हो चुके हैं। आमतौर पर आठ से 10 हजार रुपये प्रतिदिन में मिलने वाले गोवा के फाइव स्टार होटलों की दरें फिल्म समारोह की तारीखों में 40 हजार रुपये प्रतिदिन से ऊपर जाती दिख रही हैं। बताया जाता है कि फिल्म समारोह के दौरान ही गोवा में दो तीन बड़े बिजनेस घरानों की शादियां आयोजित हो रही हैं और इसके चलते भी होटलों के किराये आसमान छूने लगे हैं।

गोवा में सीधे बुकिंग कराना मुश्किल

भारत के इस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की रिपोर्टिंग करने के लिए हर साल देश के विभिन्न कोनों से दर्जनों पत्रकार पहुंचते हैं। जिनकी एनएफडीसी या पीआईबी तक पहुंच है, उनका खर्च सरकारी खाते में चला जाता है। लेकिन तमाम फिल्म प्रेमी पत्रकार अपने खुद के खर्च पर भी वहां जाते रहे हैं। आमतौर पर पत्रकार ये बुकिंग तीन महीने पहले ही करा लेते हैं। इस बार फिल्म समारोह की आयोजन समिति में शामिल एनएफडीसी की तरफ से नियुक्त एजेंसी ने एक ऐसी सूची देश भर के उन पत्रकारों की जुटाई जो दशकों से मुख्यधारा के सिनेमा की पत्रकारिता में जुड़े रहे हैं। इस सूची में शामिल जो लोग एडवांस में अपनी बुकिंग खुद कराते रहे हैं, उनको भी इस बार अपने स्तर से बुकिंग कराने से मना कर दिया गया।

एनएफडीसी ने कहा, पीआईबी की जिम्मेदारी अब जबकि भारत के 53वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के शुरू होने में सिर्फ चार दिन बाकी हैं और एनएफडीसी के प्रबंध निदेशक रविंदर भाकर ने ऐसी किसी सूची के होने से इंकार कर दिया है, नियमित तौर से ये समारोह अपने स्तर से कवर करते रहे पत्रकार भी अधर में हैं। एनएफडीसी का कहना है कि उनकी तरफ से ऐसी कोई सूची बनाई ही नहीं गई। और उधर, चूंकि पत्रकारों को अपनी तरफ से बुकिंग करने से मना कर दिया गया था लिहाजा अब चाहकर भी ये पत्रकार गोवा में अपने स्तर से होटल बुकिंग नहीं करा पा रहे हैं। इस बारे में एनएफडीसी का पक्ष जानने के लिए इसके प्रबंध निदेशक रविंदर भाकर से संपर्क किया गया तो उनका कहना था कि फिल्म फेस्टिवल की कवरेज और इसकी प्रेस रिलीज करने की जिम्मेदारी पीआईबी की है।

सिनेमा का सबसे बड़ा मेला

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का उद्घाटन सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर करेंगे। उनके अलावा गोवा के राज्यपाल श्रीधारन पिल्लै, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा भी समारोह में मौजूद रहेंगे। इस बार समारोह में 282 फीचर फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा की नुमाइंदगी करने वाली 180 फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी।

11 साल की हुई आराध्या, पिता अभिषेक बच्चन ने लुटाया लाडली पर प्यार

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन का आज 11 साल की हो गई हैं। इस मौके पर अभिनेता ने अपनी बेटी के लिए सोशल मीडिया के जरिए बेटी पर प्यार लुटाया है। अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम से बेटी आराध्या की एक तस्वीर साझा की है और साथ ही कैप्शन के जरिए बेटी के प्रति एक पिता की भावनाएं साझा की हैं। अभिषेक बच्चन की इस पोस्ट पर फैंस से लेकर सेलेब्स भी प्रतिक्रिया के जरिए जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं।

अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम से आराध्या की जो तस्वीर साझा की है, उसमें वह बेहद मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में आराध्या काफी क्यूट और प्यारी लग रही हैं। पोस्ट शेयर करते हुए जूनियर बच्चन ने बेटी पर प्यार भी बरसाया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा– ष्हैप्पी बर्थडे मेरी नन्ही राजकुमारी, मैं तुमसे सबसे ज्यादा प्यार करता हूंष।

अभिषेक बच्चन की पोस्ट पर अभिनेता रितेश देशमुख ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा– ष्हैप्पी बर्थडे प्यारी आराध्या, गॉड ब्लेस यू लिटिल वनष। वहीं कोरियोग्राफर मर्जी पेस्तोनजी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कमेंट सेक्शन में लिखा– ष्जन्मदिन की शुभकामनाएं छोटी सी एंजलष। इसके अलावा नीतू कपूर, नीना गुप्ता, सिकंदर खेर, सुजैन खान से लेकर सुधांशु पांडे ने भी आराध्या को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

मैदान में नमाज पढ़ने पर पूर्व पाक क्रिकेटर ने रिजवान को लताड़ा, बोले- यह आप अपने लिए करते हैं

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान अपने खेल अलावा भी कई वजहों से चर्चा में बने रहते हैं। क्रिकेट के मैदान में नमाज पढ़ना इनमें से एक है। रिजवान कई बार बल्लेबाजी के दौरान मैदान में नमाज अदा कर चुके हैं और इसके बाद कई मैच में उन्होंने अपनी टीम को जीत भी दिलाई है। हालांकि, टी20 विश्व कप के फाइनल में ऐसा नहीं हो सका। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर दूसरी बार यह ट्रॉफी हासिल की।

फाइनल में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 137 रन बनाए थे और इंग्लैंड ने एक ओवर रहते पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके बाद पाकिस्तान की टीम को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जुल्करनैन हैदर ने मोहम्मद रिजवान की जमकर क्लास लगाई है।

हैदर ने रिजवान के मैदान में नमाज अदा करने पर नाराजगी जताई है। हालांकि, जुल्करनैन ने अपने बयान में सीधे तौर पर रिजवान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर रिजवान पर ही था।

क्या बोले हैदर?

जुल्करनैन हैदर ने एक भारतीय न्यूज चौनल पर बातचीत के दौरान कहा ष्कहां नमाजें गईं आपकी? जो आपने नमाजें पढ़ी थीं, तो फाइनल क्यों नहीं जिताया आपने? क्यों एक 15 पर आउट हो गया, एक 14 पर आउट हो गया। कोई किधर गया, कोई किधर गया? भाई नमाजें आपने अपने लिए पढ़नी हैं। आपने नमाज अपनी इबादत के लिए पढ़नी है, ना किसी मजहब के लिए पढ़नी है। दिखावे के लिए आपने नमाजें नहीं पढ़नी। तो अब कहां गईं आपकी नमाजें, फाइनल नहीं जिताया आपने। इंग्लैंड के दो मुसलमान आपकी नमाजों से ज्यादा जीत गए। क्योंकि वो आपसे अच्छे मुसलमान हैं। वो दिखावा ग्राउंड में नहीं करते। इंग्लैंड के जो दो मुसलमान थे मोईन अली और आदिल राशिद, वो ग्राउंड में अपनी नमाज नहीं दिखाते।

जुल्करनैन ने आगे कहा ष्तस्वीरों में आने के लिए वो आपकी नमाजें नहीं पढ़ते। हाशिम अमला ग्राउंड पर नमाज इसलिए नहीं पढ़ता, क्योंकि वह ग्राउंड के बाहर बहुत अच्छा मुसलमान है। भाई नमाजें आपको अपने लिए पढ़नी हैं, क्यों आप जिम्बाब्वे से हारे। आप अल्लाह का शुक्र करें कि आप फाइनल तक पहुंच गए।

टी20 विश्व कप 2022 के शुरुआती दो मैच में पाकिस्तान की टीम को भारत और जिम्बाब्वे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल की रेस से लगभग बाहर हो गई थी, लेकिन इस टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए बाकी तीनों मैच जीते और दक्षिण अफ्रीका के नीदरलैंड से हारने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गई। इसके बाद सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड पर जीत के साथ पाकिस्तानी टीम फाइनल में आ गई। पाकिस्तान के फाइनल में पहुंचने पर रिजवान ने कहा था कि अल्लाह की वजह से ही पाकिस्तान की टीम फाइनल में पहुंची है। रिजवान कई बार अर्धशतक या शतक लगाकर मैदान पर ही नमाज पढ़ चुके हैं।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNINo.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा